हिंदी डेली

आपकी बात- हमारे साथ

dailyhindihyd@gmail.com E-paper-hindidailyweb.in WhatsApp No- 9666641609

VOLUM NO : 15 ISSUE NO : 191 Friday, 2 May 2025 शुक्रवार, 2 मई 2025 HYDERABAD 8 PAGES RS.3. 00

भारत पाकिस्तान के खिलाफ ले सकता है एक और सख्त फैसला... बंद हो सकती है पोस्टल सेवा, जंग के वक्त इंदिरा गांधी ने भी रोका था

नई दिल्ली(एजेंसी),

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है।

बैसरन घाटी में 26 मासूम पर्यटकों की जान लेने वाले इस हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। अब खबर है कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ एक और सख्त कदम उठाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक, भारत जल्द ही पाकिस्तान के साथ पोस्टल सर्विस यानी डाक सेवा को पूरी तरह बंद कर सकता है।

अजमेर के होटल में आग, बच्चे सहित चार जिंदा जले

मां ने मासूम को खिड़की से फेंका, चौथी मंजिल से कूदा युवक, पूरी बिल्डिंग जली

अजमेर (एजेंसी)। अजमेर के होटल में लगी आग में 4 साल के बच्चे सहित 4 लोग जिंदा जल गए। इसमें एक महिला भी शामिल है। डेढ़ साल के बच्चे सहित 4 लोग झुलसे हैं। इनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। महज 30 मिनट में आग ने पूरे होटल को चपेट में ले लिया था। उधर, तेजी से फैलती आग की चपेट में एक अन्य बच्चा भी आ गया था। मां ने उसे उठाकर खिड़की से नीचे फेंक दिया। आग से बचने के लिए एक युवक चौथी मंजिल से कूद गया। डिग्गी बाजार स्थित नाज होटल में सुबह करीब 8 बजे आग लगी। देखते ही देखते आग होटल

की 5वीं मंजिल तक पहुंच गई। होटल में बड़ी संख्या में जायरीन ठहरे हुए थे। करीब साढ़े तीन घंटे बाद आग पर काबू पाया जा सका। जेएलएन मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर अनिल सामरिया ने बताया- झुलसे हुए आठ लोग लाए गए थे। इनमें से चार की मौत हो गई। 4 की हालत गंभीर है। मरने वालों में एक बच्चा भी शामिल है। 15 लोगों को रेस्क्यू कर बाहर लाया गया है। हॉस्पिटल में एडमिट चार में से एक व्यक्ति 90 प्रतिशत तक झुलस गया है। बाकी तीन 50 और 60 प्रतिशत तक झुलसे हैं। होटल तक पहुंचने का रास्ता संकरा है। इसलिए बचाव कार्य में काफी परेशानी आ रही है।

बारात लेकर अस्पताल पहुंचा दूल्हा, ओपीडी में लिए सात फेरे

दुल्हन को गोद में उठाकर निभाई शादी की रस्में, अगला शुभ मुहूर्त दो साल बाद था

राजगढ़ (एजेंसी)। राजगढ़ जिले के ब्यावरा में अक्षय तृतीया पर एक अनोखी शादी देखने को मिली। दूल्हा बारात लेकर किसी मैरिज गार्डन या घर नहीं, सीधे अस्पताल पहुंचा। यहां भर्ती अपनी मंगेतर को गोद में उठाकर सात फेरे लिए। ओपीडी वार्ड में शादी की सारी रस्में निभाई गई। दरअसल, ब्यावरा की परम सिटी कॉलोनी में रहने वाले ठाकुर वीरेंद्र सिंह बैस के बेटे आदित्य सिंह की शादी 30 अप्रैल को कुंभराज के रहने वाले ठाकुर बलवीर सिंह सोलंकी की बेटी नंदिनी से तय थी। शादी से 7 दिन पहले नंदिनी की तबीयत बिगड़ गई थी। तब से वह एक नर्सिंग होम में भर्ती थी, इसलिए सारी रस्में अस्पताल में हुईं।

दुल्हन के घर की तरह सजा अस्पताल

अस्पताल को दुल्हन के घर की तरह सजाया गया। अस्पताल के गेट पर बारात की अगवानी की गई। इसे देखने के लिए परिसर में लोगों की भीड़ लग गई। रात 1 बजे ओपीडी वार्ड में मंडप सजा। रिश्तेदारों ने दोनों पर फूल बरसाए। दूल्हे आदित्य ने दुल्हन नंदिनी को गोद में उठाकर सारी रस्में निभाई। सभी ने नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद दिया। दरअसल, परिजन के अनुसार आदित्य और नंदिनी का विवाह अक्षय तृतीया के दिन तय हुआ था। इसके बाद विवाह का योग 2 साल बाद था। नंदिनी की तबीयत खराब होने के कारण दोनों पक्ष के लोग परेशान थे। ऐसे में सभी ने निर्णय लिया कि विवाह को न टाला जाए और अस्पताल में ही शादी कराई जाए। परिजन ने जब अस्पताल मैनेजमेंट से बात की तो वह भी खुशी-खुशी राजी हो गए। अस्पताल के संचालक डॉ. जेके पंजाबी ने बताया कि दुल्हन को 7 दिन पहले यहां भर्ती कराया था। उसकी तबीयत अधिक खराब थी। दो दिन पहले उसकी तबीयत में सुधार हुआ। परिजन को हमने बताया कि वह अभी चल फिर नहीं सकती, कमजोर है। ऐसे में परिवारजनों ने अस्पताल परिसर में ही विवाह करने का निर्णय लिया तो हमने भी इस निर्णय का स्वागत किया।

पहलगाम हमले की नहीं होगी न्यायिक जांच

- सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को जमकर लगाई फटकार, खारिज की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की न्यायिक जांच से इनकार कर दिया। जस्टिस सूर्यकांत और एनके सिंह की बेंच ने याचिकाकर्ता को फटकारा। कोर्ट ने कहा कि, यह संवेदनशील समय है। पूरा देश एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है। क्या आप सिक्योरिटी फोर्स का मनोबल गिराना चाहते हैं। ऐसी याचिकाएं कोर्ट में मत लाइए। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, ऐसी जनहित याचिकाएं दायर करने से पहले जिम्मेदारी से काम लें। देश के प्रति भी आपका कुछ कर्तव्य है। आप रिटायर्ड जज से जांच करने के लिए कह रहे हैं। हम जांच (आतंकी हमले) के एक्सपर्ट कब से बन गए। हमारा काम केवल फैसला सुनाना है।

हालांकि कोर्ट ने कहा, स्टूडेंट की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर हाईकोर्ट जा सकते हैं। इसके बाद तीन याचिकाकर्ताओं में से एक ने याचिका वापस ले ली। जनहित याचिका कश्मीर के रहने वाले मोहम्मद जुनैद ने दायर की थी। याचिकाकर्ताओं में फतेश कुमार साहू और विकी कुमार का भी नाम है।

पहलगाम हमला: बदले का 'ऐक्शन' प्लान तैयार

- पांच तरीकों से पाकिस्तान पर 'स्ट्राइक' करेगी भारतीय सेना
- भारत में बैठकों का दौर जारी, पाकिस्तान पर होगा तगड़ा ऐक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान में तनाव बढ़ता ही जा रहा है। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार कूटनीतिक दांव के जरिए लगातार पड़ोसी मुल्क पर स्ट्राइक में जुटी है। वहीं पाकिस्तान को डर इस बात का है कि भारत आने वाले दिनों में उस पर सैन्य कार्रवाई भी कर सकता है। ऐसा ही दावा खुद पाकिस्तान के मंत्री भी कर रहे हैं। भले ही पड़ोसी मुल्क की ओर से बयानबाजी जारी हो लेकिन भारत सरकार हड़बड़ी में कोई फैसला नहीं लेना चाहती है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा राजनाथ सिंह लगातार बैठकें कर रही हैं। यही नहीं पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमिटी ऑफ सिक्योरिटी की एक हफ्ते में दूसरी बैठक भी हुई।

पाकिस्तान पर स्ट्राइक की सेना की फुल तैयारी

पहलगाम को लेकर जिस तरह से केंद्र सरकार अलर्ट मोड पर है और पीएम मोदी ने भारतीय सेना को जवाबी कार्रवाई के लिए फ्री हैंड दिया है, वो सामान्य बात नहीं है। भारत के इसी रुख की वजह से पाकिस्तान की नींद उड़ी हुई है। चर्चा तो ये भी कि भारतीय सेना ने पहलगाम हमले पर ऐक्शन को लेकर पूरा प्लान तैयार कर लिया है। इंडियन आर्मी पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है। हालांकि, भारत अभी कोई बड़ा युद्ध नहीं चाहता। बावजूद इसके चर्चा है कि भारत एलओसी पार किए बिना ही पाकिस्तान को तगड़ी चोट पहुंचाने की प्लानिंग में है। भारत के पास लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलें हैं।

- **तोप, मोर्टार, एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल से अटैक**- एक्सपर्ट की मानें तो भारत कार्रवाई के दौरान सबसे पहले पाकिस्तानी सेना की पोस्ट और टेरर लॉन्च पैड्स को अपना निशाना बना सकती है। इसके लिए 155 एमएम की तोपों, 120 एमएम के मोर्टार और एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों का इस्तेमाल किया जा सकता है। अधिकारी ने बताया कि एलओसी पार किए बिना ही लंबी दूरी की मिसाइलों से पाकिस्तान की सेना और उसके ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया जा सकता है। हवाई हमला भी एक अच्छा विकल्प है। हालांकि, इससे स्थिति और बिगड़ सकती है। खबर ये भी है कि पाकिस्तान के पास 155 एमएम के तोप के गोलों की कमी हो गई है। वह अपने तोप के गोलों को यूक्रेन भेज रहा है। यह काम वह तीसरे देशों के जरिए पैसे कमाने के लिए कर रहा है। कहा ये भी जा रहा कि भारतीय सेना पाकिस्तान में घुसकर भी अटैक कर सकती है। सर्जिकल स्ट्राइक भी किया जा सकता है। सितंबर 2016 में भी भारत ने एलओसी में स्ट्राइक की थी।

वक्फ कानून के खिलाफ 'लाइट बंद करो' अभियान

ओवैसी सहित मुस्लिम नेताओं ने देशभर में 15 मिनट लाइट ऑफ करके विरोध जताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए वक्फ कानून के विरोध में ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड बुधवार को 'लाइट बंद करो' अभियान के तहत प्रदर्शन किया। बोर्ड चीफ असदुद्दीन ओवैसी समेत देशभर के मुस्लिम नेताओं ने रात 9 बजे से 9.15 बजे तक घर-दुकान और ऑफिस में लाइट ऑफ करके विरोध जताया। बोर्ड ने कहा- वक्फ कानून अलोकतांत्रिक और इस्लामी सिद्धांतों के खिलाफ है। यह मुस्लिम समुदाय के अधिकारों और धार्मिक संपत्तियों में सरकार की दखलअंदाजी को बढ़ावा देगा। यह सिर्फ एक समुदाय का नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र का मुद्दा है। सरकार जब तक कानून को वापस नहीं

लेती, शांतिपूर्ण विरोध जारी रहेगा बोर्ड के वक्फ बचाव अभियान का पहला फेज 11 अप्रैल से शुरू हुआ, जो 7 जुलाई यानी 87 दिन तक चलेगा। इसमें वक्फ कानून के विरोध में 1 करोड़ हस्ताक्षर कराए जाएंगे, जो पीएम मोदी को भेजे जाएंगे। इसके बाद अगले फेज की रणनीति तय की जाएगी। इससे पहले 22 अप्रैल को मुस्लिम बोर्ड ने दिल्ली में प्रदर्शन किया था। वक्फ बचाव अभियान के तहत तालकटोरा स्टेडियम में तहफ्फुज-ए-औकाफ कारवां (वक्फ की हिफाजत) नाम से आयोजन हुआ। कार्यक्रम में जमात-ए-इस्लामी हिंद समेत देशभर के मुस्लिम संगठनों के अध्यक्ष और प्रतिनिधि पहुंचे हैं। असदुद्दीन ओवैसी भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए हैं।

'वेव्स' सिर्फ एक छोटा सा नाम नहीं है, ये एक लहर है

- मुंबई में डब्ल्यूएवीई समिट में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन
- कहा-यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म, जहां युवाओं को मिलेगा मौका

वह एक आइडिया के जरिए क्रिएटिव वर्ल्ड के साथ जुड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ल्ड ऑडियो-विजुअल एंड एंटरटेनमेंट (डब्ल्यूएवीई) को संबोधित करते हुए कहा, आज मुंबई में 100 से अधिक देशों के आर्टिस्ट, इंवेस्टर्स और पॉलिसी मेकर्स एक साथ एक ही छत के नीचे एकत्र हुए हैं। एक तरह से आज यहां ग्लोबल टैलेंट और ग्लोबल क्रिएटिविटी के एक ग्लोबल इको-सिस्टम की नींव रखी जा रही है। पीएम ने कहा- डब्ल्यूएवीई ये सिर्फ एक छोटा सा नाम नहीं है। ये एक लहर है-कल्चर क्रिएटिविटी की, यूनिवर्सल कनेक्ट की। यह एक ऐसा ग्लोबल प्लेटफॉर्म है, जो आप जैसे हर आर्टिस्ट, हर क्रिएटर का है। जहां हर कलाकार, हर युवा एक नए आइडिया के साथ क्रिएटिव वर्ल्ड के साथ जुड़ेगा प्रधानमंत्री ने कहा- आज 1 मई है। आज से 112 साल पहले 3 मई, 1913 को भारत में पहली फीचर फिल्म राजा हरिश्चंद्र रिलीज हुई थी, इसके निर्माता दादासाहेब फाल्के जी थे और कल ही उनकी जन्म-जयंती थी। बीती एक सदी में भारतीय सिनेमा ने भारत को दुनिया के कोने-कोने में ले जाने में सफलता पाई है। मोदी बोले- आज वेव्स में इस मंच पर हमनें भारतीय सिनेमा के अनेक दिग्गजों को डाक टिकट के माध्यम से याद किया है।

- **ये क्रिएट इन इंडिया, क्रिएट फॉर द वर्ल्ड का सही समय** - लाल किले से मैंने सबका प्रयास की बात कही है। आज मेरा ये विश्वास और पक्का हो गया है कि आप सभी का प्रयास आने वाले वर्षों में वेव्स को नई ऊंचाई देगा। ये क्रिएट इन इंडिया, क्रिएट फॉर द वर्ल्ड का सही समय है। आज जब दुनिया स्टोरी-टेलिंग के नए तरीके ढूंढ़ रही है तब भारत के पास हजारों वर्षों की अपनी कहानियों का खजाना है। और ये खजाना टाइमलैस है, थॉट प्रो-वॉकिंग और ट्रूली ग्लोबल है। मोदी बोले- ये भारत में ऑरेंज इकोनॉमी का उदय काल है। कंटेंट, क्रिएटिविटी और कल्चर, ये ऑरेंज इकोनॉमी की तीन धुरी है। भारतीय फिल्मों की पहुंच अब दुनिया के कोने-कोने में पहुंच रही है। आज 100 से अधिक देशों में भारतीय फिल्में रिलीज होती हैं।

एनिमेशन और ग्राफिक इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ा अवसर

लाइव कंसर्ट से जुड़ी इंडस्ट्री के लिए अनेक संभावनाएं हमारे सामने हैं। आज ग्लोबल एनिमेशन मार्केट का साइज 430 बिलियन डॉलर से ज्यादा का है, अनुमान है की अगले 10 सालों में ये दोगुना हो सकता है। ये भारत की एनिमेशन और ग्राफिक इंडस्ट्री के लिए बहुत बड़ा अवसर है। अमिताभ बच्चन, रजनीकांत, हेमा मालिनी, चिरंजीवी, मोहनलाल और मिथुन चक्रवर्ती जैसे बॉलीवुड के बड़े नाम लीजेंड्स एंड लेगेसीज द स्टोरीज दैट शेप्ड इंडियाज सोल नामक पैनल में स्पीकर थे। इस सेशन को अक्षय कुमार होस्ट करेंगे। बाकी सेशन्स में आमिर खान, आलिया भट्ट, अनिल कपूर और विक्की कौशल जैसे एक्टर्स साथ ही एसएस राजामौली और एआर रहमान जैसे डायरेक्टर्स और मेकर्स भी शामिल हुए।

दीदी फिर कर सकती हैं बीजेपी में 'खेला'!

- ममता से मिले दिलीप घोष लेकिन शुभेंदु के कार्यक्रम में नहीं गए

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सियासत में एक नई तस्वीर के सामने आने के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। इस तस्वीर में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और बीजेपी के बड़े नेता और पश्चिम बंगाल के पूर्व अध्यक्ष दिलीप घोष एक साथ दिखाई दिए हैं। मौका था दीघा कस्बे में जगन्नाथ धाम मंदिर के उद्घाटन का। ममता बनर्जी से मुलाकात का पश्चिम बंगाल बीजेपी में विरोध भी हुआ है। दिलीप घोष अपनी पत्नी के साथ मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे और कार्यक्रम से इतर उन्होंने मुख्यमंत्री और टीएमसी की प्रमुख ममता बनर्जी से मुलाकात की। दिलीप घोष ने हाल ही में पार्टी की एक कार्यकर्ता रिंकू मजूमदार से शादी की थी। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य बीजेपी के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी को भी कार्यक्रम में आमंत्रित किया था लेकिन ये दोनों नेता कार्यक्रम में नहीं पहुंचे। दिलीप घोष ने कहा, भगवान जिसे अच्छा समझते हैं उन्हें अपने पास बुलाते हैं।

आईएएस खेमका बोले-किसी को ठेस पहुंची तो माफ करना

34 साल में 57 तबादलों के बाद हुए रिटायर, 8 बार एक महीने भी नहीं टिके

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के चर्चित आईएएस अधिकारी अशोक खेमका ने अपने रिटायरमेंट पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा है कि आज मेरा आईएएस करियर पूरा हुआ। अपने परिवार, सहकर्मियों और सभी शुभचिंतकों का शुक्रिया, जिनके अटूट समर्थन के बिना यह सफर संभव नहीं हो पाता। अगर इस सफर के दौरान मेरी वजह से किसी को ठेस पहुंची हो, तो मैं माफी चाहता हूं। खेमका के सोशल मीडिया पर करीब चार लाख फॉलोअर्स हैं।

रिटायर्ड आईएएस अपने सोशल मीडिया हैंडल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई बड़ी हस्तियों को फॉलो करते हैं। खेमका की 34 साल की सर्विस में 57 ट्रांसफर हुए थे। इस दौरान 8 पोस्ट ऐसी रहीं, जिनमें एक माह का भी कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए थे। इसी रिपोर्ट कार्ड के साथ ही हरियाणा के सबसे चर्चित अधिकारी अशोक खेमका बुधवार को रिटायर हो गए। हरियाणा की आईएएस एसोसिएशन ने उन्हें विदाई दी। अशोक खेमका हरियाणा परिवहन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के पद पर थे। इस दौरान परिवहन मंत्री अनिल विज भी रिटायरमेंट पार्टी में पहुंचे थे।

कोलकाता में जन्म, पिता जूट मिल में क्लर्क थे- अशोक खेमका मूल रूप से कोलकाता के रहने वाले हैं। उनका जन्म 30 अप्रैल 1965 को हुआ। खेमका के पिता शंकरलाल खेमका जूट मिल में क्लर्क थे। अशोक खेमका ने आईआईटी खड़गपुर से कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएशन की। टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च से कंप्यूटर साइंस में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और फाइनेंस में पीएचडी की। सिविल सेवा में आने से पहले उन्होंने खड़गपुर में कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग में टॉप किया था। 1990 में संघ लोकसेवा आयोग की सिविल सर्विसेज परीक्षा पास की। 1991 बैच के अधिकारी बने और हरियाणा कैडर अलॉट किया गया। साल 2012 में अशोक खेमका उस समय सुर्खियों में आए थे, जब उन्होंने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े एक जमीन के सौदे के म्यूटेशन को रद्द कर दिया। वाड्रा और डीएलएफ के बीच ये सौदा फरवरी में हुआ था।

शरबत मामला

हाईकोर्ट बोला-रामदेव किसी के नियंत्रण में नहीं

- वे अपनी ही दुनिया में जीते हैं, अवमानना नोटिस जारी, कोर्ट में पेश होना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को बाबा रामदेव पर तीखी टिप्पणी की। जस्टिस अमित बंसल ने कहा कि रामदेव किसी के नियंत्रण में नहीं हैं। वे अपनी ही दुनिया में जीते हैं। बाबा रामदेव ने हमदर्द कंपनी के रूह अफजा को लेकर शरबत जिहाद कहा था। जस्टिस बंसल ने ये भी कहा, पिछले आदेश के मद्देनजर उनका हलफनामा (एफिडेविट) और यह वीडियो प्रथम दृष्टया अवमानना के अंतर्गत आते हैं। मैं अब अवमानना नोटिस जारी करूंगा। हम उन्हें यहां बुला रहे हैं। इससे पहले 22 अप्रैल को हाईकोर्ट ने रामदेव को दिए आदेश में कहा था- हमदर्द उत्पादों को लेकर न तो कोई बयान दें और न ही कोई वीडियो शेयर करें। बाबा रामदेव ने 3 अप्रैल को पतंजलि के शरबत की लॉन्चिंग की थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा था कि एक कंपनी शरबत बनाती है। उससे जो पैसा मिलता है, उससे मदरसे और मस्जिदें बनवाती है। बाबा रामदेव ने कहा था कि जैसे लव जिहाद और वोट जिहाद चल रहा है, वैसे ही शरबत जिहाद भी चल रहा है।

संपादकीय

पाकिस्तान पर वार या इंतजार?

पहलगाम हमले को एक हफ्ते से अधिक समय गुजर चुका। इसे लेकर लोगों का गुस्सा अभी शांत नहीं हुआ है। हालांकि आतंकवाद और उसे पोसने वाले पाकिस्तान पर नकेल कसने के लिए सरकार ने कई कड़े कदम उठाए हैं। घाटी में सुरक्षा इंतजाम बढ़ा दिए गए हैं। सुरक्षा बलों को जवाबी कार्रवाई की खुली छूट दे दी गई है। जम्मू-कश्मीर सरकार भी सुरक्षा को लेकर सतर्क है। उसने पचास पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया है, और ऐसे स्थलों की पहचान की जा रही है, जहां सैलानियों के लिए खतरा हो सकता है। मगर, फिर भी जन-दबाव बना हुआ है कि पाकिस्तान के खिलाफ कोई सख्त निर्णय कसने का वक्त है।

मगर सरकार कोई भी कदम हड़बड़ी या उत्तेजना में नहीं उठाना चाहती है। सुरक्षा एजंसियों, सेना प्रमुखों और रणनीतिकारों के साथ लगातार बैठकों का दौर चल रहा है। सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति की बैठकें हो चुकी हैं। सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार परिषद को पुनर्गठित कर दिया है। इसलिए पाकिस्तान को आशंका है कि भारत उस पर कभी भी हमला कर सकता है। मगर भारत सरकार इसे लेकर सावधानी बरत रही है, तो उसकी वजहें भी समझी जा सकती हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के पीछे पाकिस्तान का हाथ है, उसे कड़ा सबक सिखाया ही जाना चाहिए, मगर इसका तरीका क्या हो, यह जटिल विषय है। यों तो युद्ध किसी भी मसले का हल नहीं हो सकता, पर पाकिस्तान के मामले में इसे लेकर अधिक गंभीरता से विचार करने की जरूरत पड़ती है। असल मुद्दा आतंकवाद को समाप्त करना है। वह युद्ध के बाद समाप्त हो जाएगा, इसका दावा नहीं किया जा सकता। फिर, भारत हमेशा से युद्ध का विरोध और शांति का समर्थन करता रहा है, अगर वही पाकिस्तान के खिलाफ इसकी पहल करता है, तो उस पर सवाल उठेंगे। इसलिए सरकार तमाम पहलुओं पर ठंडे दिमाग से विचार कर रही है। एक शांतिप्रिय राष्ट्र से ऐसे ही व्यवहार की उम्मीद भी की जाती है। मगर इसका यह अर्थ कतई नहीं कि पहलगाम हमले को लेकर भारत सरकार किसी तरह का दुलमुल रवैया अख्तियार कर रही है। पाकिस्तान से निपटने की रणनीति बनाते समय इस हकीकत को नजर अंदाज नहीं किया जा सकता कि वहां सेना और सियासी हुकूमत समांतर सत्ता हैं। वहां की सेना ने सियासी हुकूमत से ऊपर अपनी सत्ता कायम कर रखी है। वही आतंकवाद को पोसती और भारत के खिलाफ एक हथियार के रूप में उसका इस्तेमाल करती है। जबकि चोट कसने का अनुकूल वातावरण है। पाकिस्तान की माली हालत इस वक्त बहुत बुरी है, आम अवाम दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष कर रही है। मगर पाकिस्तानी सेना का उससे कोई मतलब नहीं है, उसका मकसद केवल अपनी सत्ता कायम रखना है। छिपी बात नहीं है कि भारत के खिलाफ आतंकवादी हमले कसने वाले संगठनों के सरगना वहां सेना के संरक्षण में पनाह पाए हुए हैं। ऐसे में भारत को कोई भी कदम उठाने से पहले इस पहलू पर भी विचार करना पड़ता है कि चोट ऐसी जगह पड़े, जिससे वहां की सेना और खुफिया एजंसी को ज्यादा नुकसान हो। इसी से आतंकवाद पर भी चोट पड़ेगी। पहलगाम हमले के बाद घाटी के लोगों में भी गम और गुस्सा है, दुनिया के बहुत सारे देश पाकिस्तान की निंदा कर चुके हैं। इस तरह भारत के लिए आतंकवाद पर रणनीतिक रूप से

कोलकाता होटल अग्निकांड में लापरवाही की आग से गई लोगों की जान

मध्य कोलकाता स्थित एक होटल में लगी आग और जान-माल के नुकसान से फिर यही जाहिर हुआ है कि अग्नि सुरक्षा के उपायों को लेकर लापरवाही का आलम बना हुआ है। आग की लपटों में संवेदना भी दम तोड़ रही है। यह कोलकाता नगर निगम की विफलता ही मानी जाएगी कि थोक बाजार के भीड़भाड़ वाले इलाके में होटल चलाने की अनुमति दी गई। यह तस्वीर पूरे देश में दिखती है। ज्यादातर थोक मंडियों और बाजारों के आसपास नियम-कायदे ताक पर रख होटल खोलने की मंजूरी दे दी जाती है। बड़ा बाजार के जिस होटल में आग लगी, वहां अट्ठासी अतिथि ठहरे हुए थे। अगर दमकलकर्मियों ने सूझबूझ न दिखाई होती, तो ज्यादा लोगों की मौत होती। फिर भी, उसमें चौदह लोगों की मौत हो गई। इसकी जवाबदेही आखिर किसकी है। आज जब आग लगते ही लोगों को सतर्क करने और आग बुझाने की अत्याधुनिक तकनीकें उपलब्ध हैं, तो इन साधनों के बिना होटल का लाइसेंस कैसे मिल जाता है? हादसे के बाद जांच का आदेश समस्या का कोई हल नहीं है। चिंता इस बात की है कि ऐसी घटनाओं से कभी सबक नहीं लिया जाता। बड़ाबाजार भीड़भाड़ वाला सघन इलाका है। वहां अनियोजित और अवैध निर्माणों की वजह से समस्या और बढ़ गई है। जिस होटल में आग लगी वहां फलों की मंडी लगती है। हैरानी है कि ऐसे भीड़भाड़ वाले इलाके में अग्निशमन के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। होटल की भीषण आग पर काबू पाने में जो मुश्किलें पेश आईं, उससे जाहिर है कि वहां अग्नि सुरक्षा के मूलभूत इंतजाम नहीं थे। गर्मी के मौसम के मद्देनजर आग बुझाने के व्यावहारिक उपाय किए गए होते, तो होटल भट्टी में तब्दील नहीं होता। पहले भी उस इलाके में आग लगने की कई घटनाएं हो चुकी हैं। मगर, हैरत की बात है कि चाहे स्टीफन कोर्ट अग्निकांड हो या एएमआरआइ अस्पताल में लगी आग, उनसे कोई सबक नहीं लिया गया, जिनमें कई लोगों की मौत हो गई थी। कोलकाता के बीचों-बीच हुई इस घटना पर सवाल उठ रहे हैं, तो इसका जवाब सरकार को देना ही होगा। इससे बचा नहीं जा सकता।

आज का कार्टून

हमास-आईएसआई कनेक्शन को समझिए...

कमलेश पांडे

कहना न होगा कि पहले औद्योगिक क्रांति और अब सूचना क्रांति से पैदा हुए पूंजीवाद के उभरसवा रहे कर्ये जज्बातें दुनिया के एक बड़े भूभाग को तबाह किए हुए हैं7 पहले इंग्लैंड, फिर अमेरिका, उसके बाद रूस और अब चीन की साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं ने इस कदर नैतिक-अनैतिक और प्रतिशोधी रूप में कट्टर इस्लाम मतावलम्बियों का सशत्र दुरुपयोग किया कि अब ये लोग भी दो-चार धड़ों में विभाजित हो चुके हैं और परस्पर खून-खराबे पर उतारू हैं। ऐसे में भारत की गुटनिरपेक्षता, उदारता और विश्वबंधुत्व की भावना ही उसके गले की हड्डी बन चुकी है।

यही वजह है कि जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की तुलना अब 7 अक्तूबर 2023 को इजरायल पर हुए हमले से की जा रही है, जो अनायास नहीं है बल्कि इनके बीच कुछ लौकिक साम्यताएं भी दिखाई पड़ी हैं। पहलगाम आतंकी हमले वाले दिन पर यदि गौर करें तो इजरायल पर हमले से पहले हमास नेताओं की तरह ही पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने इस आतंकी हमले से कुछ दिन पहले आतंकवादी समूहों को उकसाने के लिए जानबूझकर सांप्रदायिक हिंसा को भड़काने की कोशिश की थी। तब जनरल मुनीर इस्लामाबाद में ओवरसीज पाकिस्तानी कन्वेंशन (ह्वक्ष्ट) में भीड़ के सामने खड़े हुए और कश्मीर को पाकिस्तान की ÷गले की नस÷ बताते हुए विवादास्पद 'दो-राष्ट्र सिद्धांत' का हवाला दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने हिंदू-मुसलमान कार्ड भी खेला और पाकिस्तानियों को हिंदुस्तानियों से अलग बताया।

इसलिए सवाल उठ रहे हैं कि आखिर अरब आतंकवादी/उग्रवादी संगठन हमास की राह पर ही क्यों चल रही है पाकिस्तानी सेना और इसके क्या-क्या दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं? कहना न होगा कि इस समय पाकिस्तानी सेना का हाल लगभग वैसे ही है, जैसे 7 अक्तूबर 2023 के हमले के वक्त हमास का था। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के बढ़ते हमले, बलूचिस्तान में बढ़ते विद्रोह और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की जेल में बंद होने के बीच राजनीतिक अस्थिरता ने जनरल मुनीर की सत्ता पर पकड़ को नाटकीय रूप से कमजोर कर दिया है।

पाकिस्तानी सेना के जनरल चुपचाप मुनीर के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। ऐसे में जनरल मुनीर को कश्मीर मुद्दे को हाईलाइट कर पाकिस्तानियों का ध्यान भटकाने की जरूरत थी। ठीक वैसे ही हमास ने भी गाजा के कुप्रबंधन से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए इजरायल पर हमला किया, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कम से कम जनता की भावना उसके पक्ष में हो।

ऐसे में यह समझना बेहद जरूरी है कि इस मुताल्लिक गढ़ी गई आईएसआई की ÷दक्षिणी रणनीति÷ क्या है और भारत पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? क्योंकि 26/11 मुंबई हमलों के सूत्रधार तहव्वुर राणा के आसन्न प्रत्यर्पण ने जनरल मुनीर की कमजोरी को और बढ़ा दिया, जिससे आतंकवाद में पाकिस्तानी सेना की दशकों पुरानी मिलीभगत उजागर होने का खतरा पैदा हो गया है। खुफिया सूत्रों ने संकेत दिया कि आईएसआई ने कश्मीर में नए घुसपैठ की सावधानीपूर्वक तैयारी शुरू कर दी थी। जम्मू के सामने लॉन्च पैड पर लगभग 100 आतंकवादी जमा थे, जो पाकिस्तानी आईएसआई की भयावह ÷दक्षिणी रणनीति÷ के लिए तैयार थे। वहीं पहलगाम आतंकी हमले के बाद पैदा हुई भयावह परिस्थियों के बीच पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने आतंकवादियों को वित्त पोषण देने की तीन दशकीय रणनीति भी स्वीकार की है, जिससे भारत और ज्यादा सजग और आक्रामक हुआ है।

सीधा सवाल है कि आखिर पहलगाम हमले का हमास से क्या संबंध है? तो यहाँ पर यह जानना जरुरी है कि जब 22 अप्रैल 2025 की दोपहर को पहलगाम की सुंदर बैसरन घाटी की सुंदरता का आनंद ले रहे पर्यटकों पर चार से पांच आतंकवादियों ने हमला किया था, तो इस दौरान उन्होंने पर्यटकों से इस्लामिक आयतें पढ़ने को कहा, और ऐसा नहीं करने वालों को तुरंत गोली मार दी। बता दें कि यह यहूदी नागरिकों के खिलाफ हमास के इस्तेमाल किए गए धर्म आधारित हमले का नकल था। जिसमें हमलावरों ने अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया, जिसमें अमेरिकी निर्मित एम4 कार्बाइन और एके-47 असॉल्ट राइफलें थीं, जो पाकिस्तानी आतंकवादी समूहों की पहचान है।

इससे ही जुड़ा हुआ सवाल यह है कि क्या कश्मीरी आतंकवादी संगठन लश्कर ए तैय्यबा ने पाकिस्तानी सेना के साथ मिलकर यह साजिश रची, तो जवाब यही होगा कि हाँ, इस हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट ने ली, जो लश्कर-ए-तैयबा का एक प्रॉक्सी संगठन है। टीआरएफ को पाकिस्तान की आईएसआई ने अनुच्छेद 370 के बाद जानबूझकर वैश्विक आतंकवाद विरोधी निगरानी संस्था एफएटीएफ की जांच से बचने के लिए बनाया था। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 7 अक्टूबर 2023 से पहले हमास की इसी तरह की ऑनलाइन लामबंदी रणनीति के समानांतर टीआरएफ की एन्क्रिप्टेड डिजिटल भर्ती पर बारीकी से नज़र रखी थी, जिससे यह सबकुछ संभव हो पाया।

आखिर में सवाल यह भी है कि पहलगाम हमले का खास उद्देश्य क्या था और क्या आतंकवादी अपने ध्येय में सफल रहे तो यहाँ पर यही कहना उचित होगा कि यह हमला हमास के हमले से भयावह समानता रखता है, जिसमें प्रतीकात्मक स्थानों पर नागरिकों को निशाना बनाना शामिल था। इसका उद्देश्य न केवल मारना था बल्कि मनोवैज्ञानिक रूप से कश्मीर की अर्थव्यवस्था को तबाह और अस्थिर करना था। जिस तरह हमास ने दक्षिणी इजरायल में शांति के प्रतीक एक संगीत समारोह को निशाना बनाया, उसी तरह द रेजिस्टेंस फ्रंट ने कश्मीर के पुनरुत्थान और सांप्रदायिक सद्भाव के प्रतीक पहलगाम पर जानबूझकर हमला किया। कश्मीर में रिकॉर्ड पर्यटन हुआ था, जिसे आतंकवादियों ने पटरी से उतारने की कोशिश की। इस प्रकार आतंकवादी अपने क्षणिक उद्देश्य में सफल रहे, जबकि भारतीयों का धैर्य उन्हें लम्बी रणनीतिक मात देगी। ऐसा इसलिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही पाकिस्तान को भारत की जवाबी सैन्य कार्रवाई का डर सता रहा है। इस कारण पाकिस्तान ने भारत से लगी सीमा पर न सिर्फ सैनिकों की तैनाती को बढ़ा दिया है, बल्कि भारी मात्रा में हथियारों और गोला-बारूद को जमा किया है। बताया जा रहा है कि पहलगाम हमले की साजिश पाकिस्तानी सेना और आईएसआई ने मिलकर रची थी, जिसकी अब उन्हें भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। भारत अब यह समझ चुका है कि लातों के भूत बातों से नहीं मानेंगे। इसलिए वह धैर्य पूर्वक ठोस कार्रवाई करेगा, ताकि भारत को ज्यादा क्षति नहीं उठानी पड़े। इधर, भारतीय भी अब यह समझ चुके हैं कि दुनिया की तीसरी बड़ी आबादी हिन्दुओं को दबाए रखने और उन्हें समाप्त किए जाने का अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र सदियों से चल रहा है। इसलिए वो अपनी जातीय कमजोरियों को तिलांजलि देंगे और मजबूती पूर्वक बदला लेंगे।

हिन्दू अब यह बात भी जानने-समझने में लगे हुए हैं कि आसेतु हिमालय यानी हिमालय से दक्षिण में अफगानिस्तान से म्यांमार तक, जो प्राचीन सनातनी यानी हिन्दू भूमि रही है, इसे यदि विदेशी आक्रांताओं व उनके मूल वंशजों को बाहर नहीं किया गया तो ये अमनचैन से जीने नहीं देंगे। आज नहीं तो कल भारत हिन्दू राष्ट्र भी बन जायेगा। लेकिन अब हिंदुस्तान में पाकिस्तान प्रवृत्ति विरोधी राजनीति गति पकड़ेगी और वक्त ऐसा प्रधानमंत्री पैदा करेगा जो पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बंगलादेश के अलावा उन सभी पड़ोसियों को भारत में मिला देगा जो भारत विरोधी भाषा बोलेगा। भारत के लिए यह मुश्किल कार्य नहीं है, बल्कि इस हेतु सेना और पुलिस को नए सिरे से प्रतिबद्ध बनाने की जरूरत है। उससे पहले राजनीतिक माहौल बदलने की आवश्यकता है। आईएसआई की दक्षिण रणनीति को इससे बेहतर जवाब कुछ हो ही नहीं सकता। न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी।

> कहीं अमेरिका, कहीं चीन, कहीं रूस, कहीं ब्रिटेन आदि की शह पर फलफूल रहा इस्लामिक आतंकवाद अब एक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय एजेंडा बन चुका है, जो हथियार-गोलाबारूद और सुरक्षा उपकरण निर्माता पूंजीवादी ताकतों को बेहद रास आ रहा है। ऐसा इसलिए कि हर विध्वंस के बाद होने वाले निर्माण से भी किसी न किसी रूप में पूंजीवादियों के ही कारोबार बढ़ते हैं। अलबत्ता शांतिप्रिय और प्रगतिशील देशों को इन वैश्विक षड्यंत्रों से निपटने के बारे में मौलिक रूप से सोचना होगा और जवाबी एहतियाती कार्रवाई करनी होगी, ताकि इनके नापाक मंसूबे कभी भी सफल नहीं हो सकें और ये आपस में ही लड़-भीड़ कर खत्म हो जाएं। देखा जाए तो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले ईसाई समुदाय ने दूसरी बड़ी आबादी मुस्लिम समुदाय को निबटाने के लिए आतंकवाद प्रोत्साहन जैसी अनोखी पहल की है, जिसके तहत अरब देश आपस में ही संघर्षरत हैं। इसके अलावा पड़ोसी मुस्लिम देश और अच्छी-खासी मुस्लिम आबादी वाले गैर मुस्लिम देश भी इनकी जद में आ चुके हैं। भारत उनमें से एक है। इधर ईसाईयों और यहूदियों के चालों से सजग मुस्लिम देशों व उनके संगठनों ने काफ़िर मुक्त विश्व का सपना देखा है, जिसमें गैर मुसलमानों के लिए कोई जगह नहीं है। उनकी इस नापाक सोच से भी भारत के हिन्दू सबसे ज्यादा पीड़ित हैं।

ईमान की राह से जब मन भटकाने लगे, तब खुद को कैसे संभालें

> ईमानदारी की राह पर चलने का एक अचूक नुस्खा है कि अपने मन को नियंत्रित कर उतना की व्यय करें, जितनी आय हो। ऐसा कर पाने पर ईमानदारी की राह आसान हो जाती है। लेकिन अमीर बनने और दिखावे की स्पर्धा में कुछ लोग ठीक इसके विपरीत चलते हैं। वे पहले अपने चंचल और अनियंत्रित मन को तृप्त करने के लिए कर्ज लेकर ऐशो-आराम के सारे संसाधन जुटा लेते हैं, फिर कर्ज को चुकाने के लिए हाथ-पैर मारते हैं। ऐसे में दबाव में आकर वह अनुचित रास्ता भी अपना लेता है। अक्सर देखा जाता है कि इस स्थिति में लोग धन के लिए आपराधिक और अनैतिक धंधा शुरू कर देते हैं, जो भविष्य में उनकी बर्बादी का कारण बन जाता है।

आशुतोष कुमार

ईमानदारी प्रदर्शन का विषय नहीं है और न ही इसके एवज में कोई आकांक्षा रखनी चाहिए। यह नितांत 'स्वांत सुखाय और परहिताय' का विषय है। यह सच है कि आज जब भ्रष्टाचार का बोलबाला देखा जा रहा है, ऐसे में ईमानदारी के पथ पर चलने का संयम रखना किसी तपस्या से कम नहीं। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि ईमानदारी की राह पर चलते हुए जो आत्म संतुष्टि मिलती और जो आत्मिक संतोष होता है, वह भ्रष्टाचार से प्राप्त धन से कभी नहीं हो सकता। ईमानदारी मन-मस्तिष्क को शीतलता प्रदान करती है। यह शीतलता एक ईमानदार व्यक्ति के स्वभाव और व्यवहार में भी दिखता है। ईमानदारी को जीवन में आत्मसात करने के लिए जरूरी है कि इसके लिए मन को पूरी तरह तैयार किया जाए। यह किसी साधना से कम नहीं।

संयम बरतने की बात करते हुए आमतौर पर इच्छाओं को दबाने या संयम रखने के लिए कहा जाता है। अक्सर किसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कहते सुना जाता है कि उसके लिए बहुत मन मारने की जरूरत है। संयम बरतने को ही लोग मन मारना कहते हैं। लेकिन मन को मारना उचित नहीं। इसका मतलब है कि मन को वश में करने का सामर्थ्य नहीं है। इसलिए मन को वश में करने में असफल होने पर मन को मार दिया। यह किसी निरंकुश व्यक्ति को मुठभेड़ में मारने जैसा है। 'मारना' किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। समाधान है रास्ते पर लाना। मन को भी मारने की नहीं, नियंत्रित करने की जरूरत है। यह अचानक नहीं हो सकता। पर अभ्यास करने से हो जाता है।

एक ईमानदार व्यक्ति के लिए अपने मन पर नियंत्रण रखना बहुत जरूरी है। आसपास के लोग या दफ्तर के सहकर्मी भ्रष्टाचार के पैसे से जब शानो-शौकत से रहेंगे, महंगे कपड़े पहनेंगे, उनके पास महंगी गाड़ियां होंगी, उनके बच्चे बड़े नाम वाले स्कूलों में पढ़ेंगे, तब इस चुनौतीपूर्ण स्थिति में ही मन को नियंत्रित करने की कठिन परीक्षा होगी। अगर आपका मन डोल गया, इसका मतलब है कि ईमानदारी को आपने पूरी तरह से आत्मसात नहीं किया, अभी मन को और तपाने की जरूरत है। मतलब, ईमानदारी के पथ पर चलने के लिए मन को अभी और तैयार करने की आवश्यकता है। मन को नियंत्रित कर लेने के बाद ईमानदारी की राह आसान हो जाती है। फिर आदमी जीवन की चमक-दमक से दूर हो जाता है। सादगी और सच्चाई ही जीवन का ध्येय बन जाता है। जीवन का अपना उसूल होता है। जब जीवन में सच्चाई, सादगी और उसूल हो, तो इससे बेहतर जिंदगी और क्या हो सकती है! उसूलों के बिना जिंदगी दिशाहीन होती है। सादे जीवन में ही उच्च विचार पनपते हैं। ईमानदारी की राह पर चलते हुए मन को एकाग्र और संयमित करना भी जरूरी है। अपने आसपास के लोगों की जीवनशैली और उनकी तरक्की की तह में झांकने से मन भटक सकता है। इसलिए अपने साध्य को प्राप्त करने के लिए ही अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

ईमानदारी को किसी तय सांचे में नहीं ढाला जा सकता। इसका कोई निश्चित रूप-स्वरूप भी नहीं है। हर व्यक्ति के लिए ईमानदारी के अलग-अलग मायने हैं। एक विद्यार्थी के लिए अध्ययन ही उसका सबसे बड़ा धर्म है। अगर वह पूरे मनोयोग से अध्ययन करता है और नकल किए बिना परीक्षा में उत्तीर्ण होता है, तो उस विद्यार्थी को ईमानदार कहने में कोई संशय नहीं होना चाहिए। उसी तरह किसी दफ्तर के बाबू या अधिकारी, पुलिसकर्मी, चिकित्सक या किसी पद पर आसीन कोई भी व्यक्ति अपने दायित्वों का सही ढंग से निर्वहन कर रहा है, तो वह भी ईमानदार कहा जाएगा।

चाहे कोई किसान हो, सरहद पर तैनात जवान या खेल के मैदान में अपने प्रदर्शन से देश को पदक दिलानेवाला खिलाड़ी, जो अपने दायित्वों को समझते हुए पूरी निष्ठा से अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा है, तो वह निश्चित तौर पर ईमानदार है। इसके ठीक विपरीत कोई कर्मचारी अपने कार्य में लापरवाही बरतता है, नियत समय पर कार्यालय नहीं आता या निर्धारित समय से पहले कार्यकाल से घर चला जाता है, तो वह कतई ईमानदार नहीं कहा जा सकता। तात्पर्य यह है कि ईमानदारी का संबंध सिर्फ पैसे के लेन-देन या श्वितखोरी से नहीं है, बल्कि व्यक्ति को कार्यालय से लेकर घर और अपने पारिवारिक संबंधों में भी ईमानदार रहने की जरूरत है। जीवन के हर रंग में ईमानदारी की दरकार होती है। इसके बिना जीवन बनावटी और काले लोहे पर दिखावे के लिए चढ़ी सुनहरी चमकदार पन्नी की तरह हो जाता है, जिसका रंग कभी भी उतर सकता है और सच्चाई सामने आ सकती है।

ईमानदारी की राह पर चलने का एक अचूक नुस्खा है कि अपने मन को नियंत्रित कर उतना की व्यय करें, जितनी आय हो। ऐसा कर पाने पर ईमानदारी की राह आसान हो जाती है। लेकिन अमीर बनने और दिखावे की स्पर्धा में कुछ लोग ठीक इसके विपरीत चलते हैं। वे पहले अपने चंचल और अनियंत्रित मन को तृप्त करने के लिए कर्ज लेकर ऐशो-आराम के सारे संसाधन जुटा लेते हैं, फिर कर्ज को चुकाने के लिए हाथ-पैर मारते हैं। ऐसे में दबाव में आकर वह अनुचित रास्ता भी अपना लेता है।

अक्सर देखा जाता है कि इस स्थिति में लोग धन के लिए आपराधिक और अनैतिक धंधा शुरू कर देते हैं, जो भविष्य में उनकी बर्बादी का कारण बन जाता है। ईमानदारी जीवनशैली भी है। इस जीवनशैली को अपनाकर लोग आनंदपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकते हैं और अपने परिवार, समाज और देश के लिए मिसाल बन सकते हैं।

रोजाना पिएं एक गिलास नोनी फ्रूट जूस

यंग दिखने के लिए अब आपको रॅपन्जेल के बालों की जरूरत नहीं है। इसके बजाय, एक गिलास नोनी फ्रूट जूस आपकी मदद कर सकता है। हम जानते हैं कि यह फल आपके लिए नया है, लेकिन आयुर्वेद में भी इस अद्भुत फल का उल्लेख किया गया है। आजकल जहां रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है, वहां नोनी फल आपकी मदद कर सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह फल पोषक तत्वों से भरा हुआ है जो न केवल शरीर की कोशिकाओं के पुनर्जनन में मदद करता है, बल्कि विभिन्न वायरस द्वारा हुए नुकसान की मरम्मत में भी मदद करता है। नोनी फल विटामिन ए, विटामिन इ, विटामिन डी3 और आयरन जैसे एंटीऑक्सिडेंट का एक पावरहाउस है। यह सब न केवल आपके आंतरिक कल्याण के लिए, बल्कि बाहरी सुंदरता के लिए भी फायदेमंद हैं।

- नोनी फ्रूट जूस पीने से ब्लड शुगर लेवल बनाए रखने में मदद मिलती है
- नोनी फल में एंटीऑक्सिडेंट के साथ-साथ जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुण होते हैं जो इसे आपकी त्वचा के लिए बहुत अच्छा बनाते हैं। नोनी फ्रूट जूस पीने से न केवल आपके रक्त को डिटॉक्स करने में मदद मिलती है, बल्कि यह आपके पेट के स्वास्थ्य को भी नियंत्रित रखता है। यह सब बेहतर कोशिका संरचना और चिरस्थायी सौंदर्य की ओर ले जाता है।
- **जोड़ों की समस्या**

  गठिया से जूझ रहे लोग दर्द का सही अर्थ जानते हैं। आखिरकार, वे दिन-ब-दिन इससे गुजरते हैं। इसके अलावा, इस रोग से संबंधित विकृतियां और भी अधिक समस्याग्रस्त हैं। लेकिन अगर आप अपने दैनिक आहार में नोनी फ्रूट जूस को शामिल करते हैं, तो आप इस समस्या से अच्छी तरह निपट सकते हैं, जैसा कि फूड्स जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चलता है।
- **बालों के लिए अच्छा**

  पसीना और नमी आपके स्कैल्प में बैक्टीरिया के विकास का कारण बन सकते हैं। यह बालों के रोम को नुकसान पहुंचा सकता है, जिसकी वजह से आपको स्कैल्प में खुजली, रूसी और बालों का झड़ना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन आप नोनी फ्रूट जूस का सेवन करके, इसके जीवाणुरोधी और एंटीफंगल गुणों के कारण इसे कम कर सकते हैं।
- **यूरिक एसिड को कम करता है**

  उच्च यूरिक एसिड बुजुर्गों में सबसे आम समस्याओं में से एक है। यह समस्या न केवल पूरी प्रतिरक्षा प्रणाली को बाधित करती है, बल्कि यह पूरी तरह से दर्दनाक भी है। अगर आपके घर में कोई ऐसा ही है, तो बिना समय बर्बाद किए उनकी डाइट में एक गिलास नोनी जूस शामिल करें और बदलाव देखें।

थायराइड की समस्या को जड़ से खत्म करेंगे ये उपाय

शरीर में सेलेनियम, जिंक, आयोडिन और आयरन की कमी थायराइड की परेशानी का कारण बन सकती है। अधिकांश लोगों के लिए पोषक तत्वों से भरपूर आहार का सेवन करने से ही थायरॉइड फ़ंक्शन को बनाए रखने के लिए काफी होता है।

थायराइड की बीमारी पर हुए अध्ययन दर्शाते हैं कि 4 करोड़ 20 लाख लोग इस समस्या का सामना कर रहे हैं। सिर्फ यह देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनियाभर में थायराइड के करोड़ों मरीज हैं। यह एक सामान्य और गंभीर स्थिति है, जिससे सबसे ज्यादा महिलाएं प्रभावित होती हैं। महिलाओं के लिए थाइराइड का जोखिम पुरुषों की तुलना में लगभग 10 गुना अधिक होता है। हर 8 में से 1 महिला थाइराइड की समस्या से ग्रसित होती है। इसका एक कारण यह है कि थायराइड बीमारी अक्सर ऑटोइम्यून प्रतिक्रियाओं से शुरू होती है। यह स्थिति महिलाओं में प्री- और पोस्ट मेनोपॉज़ दौरान अक्सर होता है। गर्भावस्था से भी यह परेशानी हो सकती है।

ऐसे में यह जरूरी होता है कि आप अपने खान-पान पर विशेष ध्यान दें। शरीर में सेलेनियम, जिंक, आयोडिन और आयरन की कमी थायराइड की परेशानी का कारण बन सकती है। इसे लेकर होम्योपैथिक डॉक्टर स्मिता बोइर पाटिल ने हाल ही में अपने इस्टांपोस्ट में थायराइड मरीजों के लिए अपनी इस मेडिकल कंडीशन को नेचुरल तरीके से रिवर्स करने के उपायों को शेयर किया है। वह बताती हैं कि अधिकांश लोगों के लिए पोषक तत्वों से भरपूर आहार का पालन करना थायरॉइड फ़ंक्शन को बनाए रखने के लिए पर्याप्त होता है।

थायराइड को रिवर्स करने का घरेलू उपाय

आयोडीनयुक्त आहार है जरूरी

थायराइड फंक्शन के लिए आयोडीन का पर्याप्त मात्रा में होना महत्वपूर्ण होता है। आयोडीन थायराइड हार्मोन को बनने में मदद करता है। ट्राईआयोडोथायरोनिन और थायरोक्सिन थायराइड हार्मोन हैं जिनमें आयोडीन होता है। इसलिए आयोडीन की कमी से थायराइड की समस्या होने लगती है। इसके पूर्ति के लिए आप अपने आहार में दूध, दही, पनीर,अंडे, खाए जाने वाले समुद्री शैवाल, आयोडीनयुक्त नमक, झींगा आदि का सेवन कर सकते हैं।

जिंक की पर्याप्त मात्रा है आवश्यक

थायराइड हार्मोन के उत्पादन के लिए जिंक खनिज की भी आवश्यक होती है। थायराइड-उत्तेजक हार्मोन के संतुलन के लिए इसका पर्याप्त मात्रा में होना जरूरी होता है। इसकी पूर्ति के लिए आप कद्दू के बीज, सूरजमुखी के बीज, तिल के बीज, अंग मांस आदि को अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

आयरन की पूर्ति करेगी समस्या का समाधान

शरीर में आयरन की कमी हिमोग्लोबिन के उत्पादन को प्रभावित करती है। जिससे शरीर में कई तरह के हर्मोन्स का स्तर कम-ज्यादा होने लगता है। आयरन की कमी थायरॉइड डिसफंक्शन से जुड़ी होती है। इसकी पूर्ति के लिए आप अपने आहार में हरी सब्जियां, लीवर, सूखे अंजीर और आलूबुखारा, खजूर जैसी आयरन युक्त खाद्य पदार्थों को शामिल कर सकते हैं।

सेलेनियम से भरपूर पदार्थों का सेवन करें

सेलेनियम, थायराइड हार्मोन उत्पादन के लिए आवश्यक खनिज होता है। जो थायराइड को ऑक्सीडेटिव तनाव से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करता है। थायराइड में सेलेनियम की उच्च मात्रा होती है, जिसकी कमी होने पर थायराइड में असंतुलन पैदा होने लगता है। इससे बचाव के लिए आप सेलेनियम युक्त आहार जैसे -ब्राजील नट्स, सूरजमुखी के बीज, काजू आदि का सेवन कर सकते हैं।

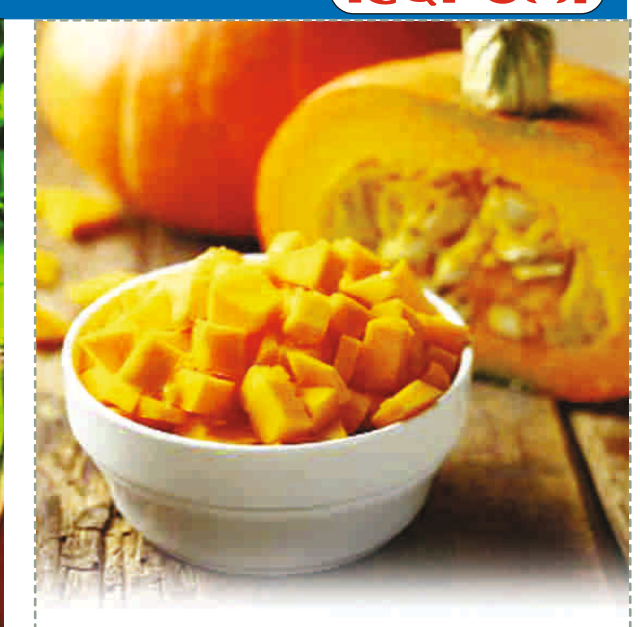

ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए वरदान है कद्दू

कद्दू एक ऐसी सब्जी के जिसे बच्चे से लेकर बड़े तक हर खाने में मुंह बनाता है। मगर एक्सपर्ट्स के अनुसार, यह गुणों से भरपूर होती है। इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट आदि गुण होते हैं। ऐसे में इसका सेवन करने से इम्यूनिटी स्ट्रांग होने से लेकर वजन घटाने में मदद मिलती है। इसके साथ ब्लड प्रेशर व डायबिटीज के मरीजों के लिए यह वरदान स्वरूप है। चलिए जानते हैं इसे खाने के बेहतरीन गुणों के बारे में

डायबिटीज में फायदेमंद

एक्सपर्ट्स के अनुसार, टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों के लिए कद्दू बेहद फायदेमंद मानी गई है। इसका सेवन करने से शुगर लेवल कंट्रोल रहता है। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

हाई बीपी रखे कंट्रोल

कद्दू में पोटैशियम भरपूर होता है। ऐसे में यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में कारगर माना जाता है। इसलिए ब्लड प्रेशर के मरीजों को इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

इम्यूनिटी करे स्ट्रांग

कद्दू में विटामिन-ए, सी, ई आदि गुण होते हैं। इसके सेवन से तेजी से इम्यूनिटी बढ़ती है। ऐसे में शरीर को बीमारियों से लड़ने की अंदर से मजबूती मिलती है। साथ ही सर्दी, जुकाम, मौसमी व अन्य बीमारियों की चपेट में आने का खतरा कई गुणा कम रहता है।

कब्ज से दिलाए राहत

गलत खानपान के चलते बहुत से लोगों को कब्ज की शिकायत रहती है। ऐसे में इस समस्या से राहत पाने के लिए कद्दू का सेवन करना फायदेमंद माना जाता है। इसके बीजों में फाइबर होने से पाचन शक्ति तेज होती है। ऐसे में कब्ज व पेट संबंधी अन्य समस्याओं से बचाव रहता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

इसमें बीटा कैरोटीन होता है। ऐसे में यह आंखों के लिए स्वस्थ माना जाता है। इसके सेवन से आंखों की रोशनी बढ़ने के साथ इससे जुड़ी समस्याएं होने से बचाव रहता है।

हड्डियों होगी मजबूत

कद्दू में कैल्शियम उचित मात्रा में होता है। ऐसे में इसका सेवन करने हड्डियां मजबूत होती है। इसके साथ ही ऑस्टियोपोरोसिस का खतरा कम रहता है। इसलिए बच्चे से लेकर बड़ों तक हर उम्र के लोगों को इसे अपनी डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

वजन घटाए

इसका सेवन करने से वजन कम करने में भी मदद मिलती है। ऐसे में मोटापे से परेशान लोगों को इसे अपनी डेली डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए।

शरीर में आयरन की मात्रा को तुरंत बढ़ाएंगे ये नट्स

हीमोग्लोबिन शरीर के सभी अंगों को ऑक्सीजन देता है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है। तो चलिए जानते हैं ऐसे नट्स के बारे में जो आयरन की कमी को पूरा करेंगे और आपके हीमोग्लोबिन को तुरंत बढ़ाएंगे

शरीर को फिट रखने में भरपूर मात्रा में न्यूट्रिएंट्स खाना बेहद जरूरी है। यदि किसी भी पोषक तत्व की कमी हो जाती है, तो यह शरीर के लिए परेशानी का कारण बनने लगता है। अक्सर लोगों में हीमोग्लोबिन ऐसे में आयरन हीमोग्लोबिन बनाने के लिए महत्तवपूर्ण है। शरीर में आयरन की मात्रा बढ़ाने के लिए कई सारी चीजों को डाइट में शामिल किया जा सकता है।

काजू

अगर आपके शरीर में आयरन की कमी है तो आप काजू खा सकते हैं। ये आपकी भूख को कम करता है साथ ही शरीर को पोषक तत्व मिलते हैं। एक मुट्ठी काजू में 189 मिली ग्राम आयरन होता है। ऐसे में जंक फूड खाने से अच्छा है कि आप स्नैक्स में एक मुट्ठी काजू का सेवन करें।

अखरोट

अखरोट में सबसे ज्यादा पोषक तत्व होते हैं। ये आपके दिमाग को शार्प करने में मदद करता है। साथ ही कम हीमोग्लोबिन वाले लोगों को रोजाना अखरोट का सेवन करना चाहिए। एक मुट्ठी अखरोट खाने से आपको 08 मिली ग्राम प्रोटीन मिलता है।

पिस्ता

पिस्ता स्वाद से भरपूर है और स्नैक्स के लिए सबसे अच्छा है। अगर आपको आयरन की कमी है तो एक मुट्ठी पिस्ता खाएं। एक मुट्ठी पिस्ता में 1.11 मिली ग्राम आयरन होता है।

बादाम

भिगे बादाम खाने से शरीर को कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं। अगर आप एक मुट्ठी बादाम का सेवन करते हैं तो आपको 1. 05 मिली ग्राम मिलता है। कई लोग बादाम का दूध और बादाम के बटर का सेवन करते हैं। ऐसे आपको रोजाना बादाम का सेवन करना चाहिए।

मुंगफली

अगर आप मेवा नहीं खा सकते है, तो आप मुंगफली का सेवन कर सकते हैं। एक मुट्ठी मुंगफली में 13 मिलीग्राम मिनीरल्स होते है।

'रॉयल्स' से पहले इन वेब सीरीज में नजर आए ईशान, फिल्मों में भी दिखा अदाकारी का हुनर

शाहिद कपूर के सौतेले भाई ईशान खट्टर ने आठ साल पहले बॉलीवुड में डेब्यू किया। इतने छोटे से करियर में इस एक्टर ने बॉलीवुड फिल्म, अमेरिकन सीरीज से लेकर हिंदी वेब सीरीज की दुनिया में अलग-अलग तरह का काम कर लिया है। जानिए, ईशान खट्टर ने किन वेब सीरीज और फिल्मों में अभिनय किया है। जल्द ही ईशान खट्टर हिंदी वेब सीरीज 'रॉयल्स' में नजर आएंगे। इस सीरीज में यह एक्टर भूमि पेडनेकर के साथ रोमांस करता नजर आएगा। सीरीज में जीनत अमान, साक्षी तंवर जैसी मंझी हुई अदाकारा भी हैं। इस सीरीज के अलावा ईशान कुछ और वेब सीरीज और हिंदी फिल्मों का हिस्सा भी बने हैं। जानिए, ईशान खट्टर की उन वेब सीरीज, फिल्मों के बारे में।

वेब सीरीज ए सूटेबल ब्वॉय

मीरा नायर निर्देशित वेब सीरीज 'सूटेबल ब्वॉय' में ईशान खट्टर ने मान नाम का किरदार निभाया था। इस ब्रिटिश सीरीज में तब्बू, रासिका दुग्गल और राम कपूर जैसे कलाकार भी नजर आए। सीरीज में ईशान अपने किरदार के जरिए दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ने में कामयाब रहे।

वेब सीरीज परफेक्ट कपल

अमेरिकन सीरीज 'परफेक्ट कपल' में ईशान का रोल ज्यादा बड़ा नहीं था, फिर भी वह दर्शकों को याद रह जाते हैं। इस मर्डर मिस्ट्री सीरीज को सुजैन बियर ने निर्देशित किया था। निकोल किडमैन जैसे हॉलीवुड की नामी एक्ट्रेस के साथ ईशान को एक्टिंग करने का मौका सीरीज 'परफेक्ट कपल' में मिला। ईशान सीरीज में एक शूटर के रोल में थे।

फिल्म 'धड़क'

साल 2018 में हिंदी फिल्म 'धड़क' से ईशान ने बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस रोमांटिक फिल्म में जान्हवी कपूर, ईशान की हीरोइन थी। यह मराठी फिल्म 'सैराट' का रीमेक थी। शंशाक खेतान निर्देशित इस फिल्म में ईशान और जान्हवी ने दो प्रेमियों के रोल किए, जिनके प्यार की राह में समाज बाधा बनकर खड़ा हो जाता है।

फिल्म 'फोन भूत'

साल 2022 में कैटरीना कैफ के साथ फिल्म 'फोन भूत' में ईशान नजर आए। इस सुपरनेचुरल कॉमेडी फिल्म को गुरमीत सिंह ने निर्देशित किया था। फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी, जैकी श्रॉफ भी नजर आए। फिल्म में ईशान, कैटरीना और सिद्धांत ने भूत पकड़ने वाले लोगों के किरदार निभाए थे।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद अंकिता लोखंडे ने रद्द किया यूएसए शो

पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले की घटना ने देश को झकझोर कर रख दिया है। फिल्मी सितारों ने इस घटना की निंदी की है और वे इस मुश्किल घड़ी में घटना में मारे गए लोगों के परिवार के साथ खड़े हैं। देश के साथ खड़े हैं। इस घटना के बाद अभिनेत्री अंकिता लोखंडे ने अपना यूएसए शो कैंसिल कर दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी फैंस से साझा की है। अंकिता लोखंडे मिस एशिया नॉर्थ अमेरिका 2025 में हिस्सा लेने जाने वाली थीं। वे यहां बतौर अतिथि आमंत्रित की गई थीं और शो में विनर की क्राउनिंग सेरेमनी उन्हीं के हाथों होनी थी। मगर, पहलगाम में हुई दिल दहला देने वाली आतंकी घटना के बाद अंकिता लोखंडे ने अपना यूएसए शो कैंसिल कर दिया है। हालांकि, इसे स्थाई रूप से रद्द नहीं किया गया। बता दें कि यह इवेंट 11 मई 2025 को डलास, टेक्सास में आयोजित होने वाला था।

बाद में तय होंगी नई तारीखें

अंकिता ने आगे लिखा है, मैं एक भारतीय के रूप में इस दिल दहला देने वाली घटना के सभी पीड़ितो के साथ खड़ी हूं। टूर को स्थायी रूप से रद्द नहीं किया गया है। हम बाद में इसकी तारीखें री-शेड्यूल करेंगे, जब हमें हालात इसके उपयुक्त लगेंगे। मैं जल्द ही बेहतर और अधिक शांतिपूर्ण परिस्थितियों में आप सभी से मिलने की उम्मीद करती हूं। आपके प्यार, समझ और हमेशा मिलने वाले आपके सहयोग के लिए तहेदिल से शुक्रिया।

2000 लड़कों में से एक क्यूट बंदा ढूंढकर उसे डेट किया था

बॉलीवुड की अभिनेत्री पलक तिवारी इन दिनों सुर्खियों में हैं। उनकी फिल्म द भूतनी को लेकर वह चर्चा में हैं। फिल्म में संजय दत्त और मौनी रॉय भी हैं। पलक तिवारी इब्राहिम अली खान के साथ रिश्ते को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं, हालांकि दोनों ने साफ किया है कि वह सिर्फ दोस्त हैं। पलक तिवारी ने जूम से बातचीत में एक कहानी बताई है। उन्होंने एक लड़के के बारे में बताया जो उन्हें इंटरनेट पर मिला था। वह समझ रही थीं कि वह लड़का बहुत सुंदर है। पलक ने उसका पीछा किया।

पलक तिवारी को मिला था सबसे क्यूट बंदा

पलक ने एक लड़के के बारे में बताया जो उन्हें इंस्टाग्राम पर मिला था। पलक ने कहा मुझे लगता है सबसे अजीब चीज जो मैंने की वह यह थी कि मुझे सोशल मीडिया पर एक लड़का मिला। मुझे लगा कि वह सबसे खूबसूरत है। जब मैंने उस लड़के को देखा तो वह मुझे बहुत क्यूट लगा। फिर मैंने सोचा इसके बारे में पता करते हैं। मैं उसके बारे में कुछ नहीं जानती थी। यहां तक कि उसका नाम भी नहीं। मैंने उसे बस एक बार देखा और सोचा कि मुझे उसे ढूंढना है।

2000 लोगों में से उसे ढूंढा

पलक ने कहा एक लड़के ने उस क्यूट लड़के की फोटो पोस्ट की लेकिन उसे टैग नहीं किया। वह लड़का 2000 लोगों को फॉलो कर रहा था। आप यकीन नहीं करेंगे लेकिन मैंने 2000 लोगों की प्रोफाइल चेक की, ताकि उस क्यूट लड़के को ढूंढ सकूं। मैंने उसकी फोटो अपने दोस्त को भेजी। मैं किसी के लिए ऐसा नहीं करती। लेकिन मैंने उस लड़के के लिए किया। हालांकि वह लड़का मिल गया। इसके बाद पलक ने उस बंदे को डेट किया। पलक ने उस लड़के का नाम नहीं बताया।

पलक तिवारी का काम

आपको बता दें कि पलक तिवारी ने सलमान खान के साथ फिल्म किसी का भाई किसी की जान से बॉलीवुड में अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। अब पलक हॉरर फिल्म द भूतनी में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। सिद्धांत सचदेव द्वारा निर्देशित यह फिल्म 1 मई को रिलीज होने वाली है।

क्या प्रीति जिंटा राजनीति में कर रही एंट्री? एक्ट्रेस ने किया खुलासा

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रीति जिंटा के राजनीति में शामिल होने को लेकर कई अफवाहें चलती रहती हैं। अब इस मामले में अभिनेत्री ने जवाब दिया है। जानिए एक्ट्रेस ने क्या खुलासा किया। क्या वो राजनीति में शामिल होंगी या नहीं? एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने अपने एक्स अकाउंट पर यूजर्स द्वारा कुछ भी सवाल करने वाला सेशन चला रखा है। इसी पर उनसे कई तरह के सवाल-जवाब किए जा रहे हैं। एक यूजर ने प्रीति जिंटा से राजनीति से जुड़ा सवाल पूछा, 'क्या आप आने वाले समय में भाजपा में शामिल होंगी? पिछले कुछ महीने के ट्वीट्स देखकर ऐसा ही लगता है।' इसके जवाब में अभिनेत्री ने कहा कि सोशल मीडिया यूजर्स के साथ यही समस्या है कि वो बहुत जजमेंटल हो जाते हैं। आगे उन्होंने कहा कि मंदिर या महाकुंभ जाना उनके लिए गर्व की बात है, इसका मतलब ये नहीं वो राजनीति या भाजपा में शामिल हो रही हैं। अभिनेत्री ने उसी ट्वीट के जवाब में आगे लिखा कि जबसे वो भारत के बाहर रह रही हैं, तो उन्हें भारत के प्रति और लगाव हो गया है क्योंकि विदेश में उन्हें अपने देश का असली महत्व समझ में आता है। इस कारण वह भारत की चीजों को और संजोकर रखती हैं। आपको बताते चलें कि अभिनेत्री ने साल 2016 में जीन गुडइनफ से शादी की थी, जिसके बाद प्रीति जिंटा लॉस एंजिलस चली गई थी और एक्टिंग से ब्रेक ले लिया था।

हाउसफुल 5 का हिस्सा बनना मेरे लिए खुशी की बात

अभिनेता संजय दत्त इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'द भूतनी' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। अभिनेता फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच अभिनेता ने 'द भूतनी' के बाद अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर बात की और बताया कि वो कॉमेडी से लेकर एक्शन तक अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में नजर आएंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि वो इस तरह की फिल्मों का हिस्सा बनकर खुद को भाग्यशाली मानते हैं।

पहली बार हॉरर-कॉमेडी कर रहे संजू

'द भूतनी' के एक गाने के लॉन्च इवेंट में संजय दत्त शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने इस फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा, मैंने पहले कभी भी हॉरर-कॉमेडी फिल्म नहीं की है। 'द भूतनी' मेरा पहला अनुभव है और यह अनुभव काफी अच्छा रहा और मुझे पसंद आया। हमें उम्मीद है कि दर्शक 'द भूतनी' को पसंद करेंगे और सराहेंगे।

एक्शन और कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे

इस दौरान संजय दत्त ने अपनी आगामी फिल्मों 'हाउसफुल 5' और 'बागी 4' को लेकर भी बात की। ये दोनों ही फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग जॉनर की हैं। इनके बारे में बात करते हुए अभिनेता ने कहा, मैं हाउसफुल 5 कर रहा हूं, यह एक और क्रेजी कॉमेडी है। जबकि बागी 4 एक एक्शन और इमोशन से भरपूर फिल्म है। इसलिए मुझे लगता है कि मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे इस तरह के अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में काम करने का मौका मिला।

'हाउसफुल 5' में नजर आएगी बड़ी कास्ट

'हाउसफुल 5' अक्षय कुमार की हाउसफुल फ्रेंचाइजी की 5वीं किस्त है। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ संजय दत्त के अलावा अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, फरदीन खान, जैकलीन फर्नांडीज, नरगिस फाखरी, डिनो मोरिया, जैकी श्रॉफ, सोनम बाजवा और कई कलाकार नजर आएंगे। यह एक क्रूज पर सेट की गई एक मर्डर मिस्ट्री बताई जा रही है। तरुण मनसुखानी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 6 जून, 2025 को सिनेमाघरों में आने वाली है। जबकि 'बागी 4' टाइगर श्रॉफ की बागी फ्रेंचाइजी की चौथी कड़ी है। यह एक एक्शन पैक्ड फ्रेंचाइजी है। बागी 4 में टाइगर श्रॉफ और संजय दत्त के साथ हरनाज कौर संधू भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। ए हर्ष द्वारा निर्देशित यह फिल्म 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'रेड 2' से होगा 'द भूतनी' का मुकाबला

फिलहाल संजय दत्त की फिल्म 'द भूतनी' रिलीज को तैयार है। फिल्म का मुकाबला अजय देवगन की 'रेड 2' से होगा। द भूतनी में संजय दत्त के साथ मौनी रॉय, पलक तिवारी और सनी सिंह प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'ज्वेल थीफ' में अपने किरदार पर कुणाल कपूर ने की खुलकर बात

नेटफ्लिक्स पर 25 अप्रैल को रिलीज हुई एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'ज्वेल थीफ' में अभिनेता कुणाल कपूर ने अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीत लिया है। इस हाई-वोल्टेज हाइस्ट ड्रामा फिल्म में कुणाल ने पुलिस अफसर विक्रम पटेल का किरदार निभाया है। हाल ही में एएनआई से बातचीत में कुणाल ने अपने किरदार, इसकी तैयारी और फिल्म के सीक्वल की संभावनाओं पर खुलकर बात की।

विक्रम पटेल के किरदार में छाए कुणाल

कुणाल ने कहा कि विक्रम पटेल का किरदार उनके लिए खास था, क्योंकि इससे पहले उन्होंने ऐसा रोल नहीं निभाया था। अभिनेता ने कहा, मुझे हाइस्ट फिल्में बहुत पसंद हैं। जब मुझे 'ज्वेल थीफ' का ऑफर मिला, तो मैंने तुरंत हां कह दी। यह मेरे लिए कुछ नया करने और एक शानदार टीम के साथ काम करने का मौका था। फिल्म में कुणाल का किरदार सैफ अली खान के किरदार रेहान रॉय का पीछा करता है। दोनों के बीच की यह रोमांचक चेज और टकराव फिल्म का मुख्य आकर्षण है।

ट्रेनिंग की नहीं पड़ी ज्यादा जरूरत

'ज्वेल थीफ' में कुणाल के हिस्से कई दमदार एक्शन सीन आए। उन्होंने एक मजेदार किस्सा साझा करते हुए कहा, एक फाइट सीन था, जिसे हमने रात के समय शूट किया। यह बहुत थकाऊ, लेकिन मजेदार था। पूरी फिल्म में मुझे बहुत दौड़ना पड़ा। शायद टॉम क्रूज को मेरी दौड़ से टक्कर मिले। कुणाल ने कहा कि इस किरदार के लिए खास एक्शन ट्रेनिंग की जरूरत नहीं पड़ी, लेकिन उन्हें अपनी फिजिक पर काम करना पड़ा। उन्होंने कहा, मैं उस समय 'विश्वंभरा' फिल्म की शूटिंग कर रहा था, जिसमें मुझे मस्कुलर लुक चाहिए था। मैंने छह-सात किलो मसल्स बढ़ाए और वही फिजिक मैं 'ज्वेल थीफ' में भी लेकर आया।

सीक्वल पर कही ये बात

'फिल्म के सीक्वल की संभावना पर बात करते हुए कुणाल ने कहा, विक्रम और रेहान के बीच का रिश्ता बहुत जटिल है। उनकी बैकस्टोरी और लंबे समय से चली आ रही इस चेज में बहुत कुछ अनकहा है। अगर सीक्वल या प्रीक्वल बना तो इन किरदारों की गहराई को और एक्सप्लोर करना रोमांचक होगा।

कुणाल ने की निर्देशक की तारीफ

इस बातचीत में कुणाल ने फिल्म का निर्देशन कुकी गुलाटी और रॉबी ग्रेवाल की जमकर तारीफ की। अभिनेता ने कहा इन दोनों के साथ काम करना शानदार अनुभव था। उनकी विजन और कहानी को पेश करने का तरीका कमाल का है।

सैफ और जयदीप के साथ काम का अनुभव किया साझा

कुणाल ने अपने को-स्टार्स सैफ अली खान और जयदीप अहलावत की तारीफ करते हुए कहा, सैफ बहुत स्मार्ट और उदार सह-कलाकार हैं। उनके साथ सेट पर समय बिताना मजेदार था। जयदीप का अभिनय इतना सहज और विश्वसनीय है। मुझे दोनों से बहुत कुछ सीखने को मिला।

अभिनय का बदला नजरिया

'रंग दे बसंती', 'डियर जिंदगी' और 'आजा नचले' जैसी फिल्मों से अपनी पहचान बनाने वाले कुणाल ने आगे साझा किया कि समय के साथ उनका अभिनय का नजरिया बदला है। अभिनेता ने इस बारे में कहा, पहले मैं हर सीन को लेकर बहुत तनाव लेता था। अब मैं अच्छी तैयारी करता हूं और सेट पर अपने आता हूं हूं। इससे मैं प्रोसेस को ज्यादा इंजॉय करता हूं।

किसानों को वर्ष 2027 तक हर हाल में दिन में बिजली उपलब्ध करवाएगी हमारी सरकार-सीएम भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हर घर-हर खेत बिजली निर्बाध रूप से उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। हमारी सरकार प्रदेश के किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध करवाने एवं औद्योगिक क्षेत्र के लिए सुचारू बिजली उपलब्ध करवाने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विद्युत उत्पादन से लेकर प्रसारण एवं वितरण तंत्र का दूर दर्शिता के साथ सुदृढ़ीकरण किया जाए।

मुख्यमंत्री आवास पर ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम को देखते हुए पीक डिमांड अवधि में विद्युत आपूर्ति को सुचारू बनाए रखा जाए ताकि आमजन को किसी प्रकार परेशानी न हो।

विद्युत उत्पादन की सभी यूनिट्स का संचालन सुनिश्चित- शर्मा ने बिजली उपलब्धता एवं मांग की समीक्षा करते हुए कहा कि रबी सीजन के दौरान किसानों को एवं फरवरी से अब तक की पीक डिमांड पर उपभोक्ताओं को राज्य सरकार ने निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की है। उन्होंने विद्युत उत्पादन की सभी यूनिट्स के संचालन को सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लॉन्ग टर्म भविष्य की मांग को देखते हुए उत्पादन के वैकल्पिक स्रोत तैयार किए जाएं।

विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के कार्यों में लाएं गति - मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर हाल में किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध है। केन्द्र सरकार ने राज्य सरकार के अनुरोध पर पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत 5 हजार मेगावाट का अतिरिक्त आवंटन किया। उन्होंने इस संबंध में जीएसएस से स्थापित किए जाने वाले विकेन्द्रीकृत सौर ऊर्जा संयंत्र के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने बैटरी स्टोरेज सिस्टम को भी लागू किया जाए के संबंध में निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति के लिए उत्पादन इकाइयों एवं प्रसारण तंत्रों का उचित रख-रखाव किया जाना आवश्यक है। उन्होंने ट्रांसफार्मर्स की मरम्मत, देखभाल एवं उपयोग संबंधी प्रक्रिया में सुधार करते हुए समुचित प्रावधान किए जाने के निर्देश दिए।

बैठक में वित्त विभाग तथा राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन, प्रसारण व वितरण निगमों सहित ऊर्जा विभाग के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

आमजन को सभी सुविधाएं ऑनलाइन उपलब्ध करवाना जेडीए की प्राथमिकता : जेडीसी

जयपुर। जेडीए आयुक्त आनंदी ने कहा कि आमजन को सुगमता एवं पारदर्शिता के साथ समस्त सुविधाएं ऑनलाईन उपलब्ध करवाना जेडीए की पहली प्राथमिकता है। जेडीए के मंथन सभागार में आईटी सेवाओं, ई पट्टा और सेवा वितरण की बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए जेडीए आयुक्त आनंदी ने बताया कि जेडीए की प्राथमिकता है कि आमजन को एक क्लिक पर घर बैठे ही समस्त सुविधाऐं ऑनलाईन उपलब्ध करवाना है। इस दिशा में जेडीए द्वारा निरंतर कार्य किया जा रहा है। बैठक में आईटी सेवाएं और लैंड बैंक पर भी अपडेट लिया गया। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि नागरिकों के लिए 100 प्रतिशत सेवाएं लाइव और ऑनलाईन उपलब्ध हैं। लैंड बैंक को पूरी तरह से सिंक और अपडेट किया गया है। आमजन को निरंतर सुधार सुनिश्चित करने के लिए दी जा रही ऑनलाईन सेवाओं पर प्रतिक्रिया देने के लिए प्रोत्साहित किया गया है।इस अवसर पर ई पट्टा मॉड्यूल में कई संवर्द्धन पर चर्चा की गई और क्रियान्वयन के लिए अनुमोदित किया गया। आयुक्त ने बताया कि पट्टा प्रेषण तिथि को डीसी ई साइन तिथि अलग से मुद्रित नहीं माना जाएगा। स्वामित्व हस्तांतरण चिह्न के साथ अनुलग्नक ई पट्टा के साथ संलग्न किया जाना चाहिए। सिस्टम जनरेटेड रजिस्टर प्रेषण अनुक्रम तिथि सभी उपायुक्त को उपलब्ध कराया जाएगा।

अजमेर के डिग्गी बाजार क्षेत्र के एक होटल में लगी भीषण आग, 4 लोगों की मौत, कई घायल

अजमेर। अजमेर शहर के व्यस्ततम डिग्गी बाजार क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक होटल में भीषण आग लग गई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। घटना से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत-बचाव कार्य में जुट गईं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग सुबह करीब 6 बजे होटल की ऊपरी मंजिल से उठते धुएं के साथ शुरू हुई। देखते ही देखते आग ने पूरे होटल को चपेट में ले लिया। फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने के लिए स्थानीय लोगों ने भी दमकल कर्मियों की मदद की।प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह माना जा रहा है, हालांकि फॉरेंसिक टीम द्वारा जांच की जा रही है।

सिंचाई और पेयजल के लिए बढ़ेगी जल उपलब्धता - गांधी सागर बांध से राणा प्रताप सागर बांध में आएगा लगभग 892 एमसीयूएम जल

जयपुर। मध्यप्रदेश के गांधी सागर बांध से रावतभाटा स्थित राणा प्रताप सागर बांध में लगभग 892 मिलियन घन मीटर (एमसीयूएम) जल आएगा। राजस्थान सरकार ने मध्यप्रदेश सरकार की मांग पर उनकी पंप स्टोरेज परियोजना के निर्माण के लिए गांधी सागर बांध का जलस्तर घटाने के परिपेक्ष में निर्णय लिया है। मध्यप्रदेश सरकार की ओर से आगामी सप्ताह में ही गांधी सागर बांध से जल प्रवाह कार्य शुरू किए जाने की संभावना है। इस सम्बंध में प्रमुख अभियंता जल संसाधन विभाग मध्यप्रदेश ने 29 मार्च 2025 को जल संसाधन विभाग राजस्थान को पत्र लिखा था। इसमें गांधी सागर बांध के जलस्तर को कम करने के लिए राजस्थान सरकार से अनुरोध किया गया था। 25 अप्रैल 2025 की स्थिति के गांधी सागर बांध का जलस्तर 395.003 मीटर है।

राणा प्रताप सागर में ही गुंजाइश

चंबल नदी प्रणाली के तहत राजस्थान में राणा प्रताप सागर बांध, जवाहर सागर बांध और कोटा बैराज स्थित हैं। तीनों ही जगह जल भंडारण की क्षमता सीमित है। वर्तमान में राणा प्रताप सागर बांध में 892 एमसीयूएम, जवाहर सागर बांध में 10.76 एमसीयूएम, कोटा बैराज में 3.60 एमसीयूएम तक ही जल संग्रहित किया जा सकता है। ऐसे में गांधी सागर बांध से राणा प्रताप सागर बांध में उपलब्ध शेष भराव 892 एमसीयूएम की सीमा तक ही जल प्रवाहित किया जा सकेगा।

ग्रीष्मकाल के दृष्टिगत रहेगा उपयोगी

सरकार ने विश्लेषण एवं भविष्य की जरूरतों के दृष्टिगत अहम निर्णय लिया है। राणा प्रताप सागर बांध में संग्रहित जल आगामी गर्मियों में पेयजल, सिंचाई, औद्योगिक जरूरतों के लिए उपयोगी होगा। राणा प्रताप सागर बांध से विद्युत उत्पादन के लिए भी जल का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

यह निर्णय हमारी सरकार की दूरदर्शी नीति, जल आवश्यकताओं और परस्पर सहयोग की दृष्टि से लिया गया है। भविष्य में भी दोनों राज्यों के बीच जल संसाधनों के समुचित प्रबंधन और उपयोग के लिए समन्वय बना रहेगा।

सुरेश सिंह रावत, जल संसाधन मंत्री

नेवी में कमांडर ने भाइयों के साथ मिलकर कर दी भाभी की हत्या, जानें क्या है पूरा मामला

झुंझुनू। झुंझुनूं के सूरजगढ़ स्यालू खुर्द गांव में पुश्तैनी जमीन को लेकर चल रहे विवाद ने सोमवार को हिंसक रूप ले लिया, जिसमें निहाल सिंह की पत्नी संतोष देवी की मौत हो गई। मामले में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। जानकारी के अनुसार, गांव के चार भाइयों रघुवीर, दाताराम, निहाल सिंह और महेंद्र सिंह की पुश्तैनी जमीन थी, जिसे आपसी सहमति से बांट दिया गया था। हाल ही में निहाल सिंह ने अपने हिस्से की जमीन जाखोद ग्राम पंचायत निवासी सज्जन कुमार को बेच दी। इस पर नाराजगी जताते हुए महेंद्र सिंह भालोठिया, जो नेवी में कमांडर हैं, सोमवार को गांव पहुंचा। सोमवार को जब जमीन खरीदार सज्जन कुमार गांव आया, तो महेंद्र सिंह, भाई दाताराम, बेटा पवन व अन्य परिजन उसके पास पहुंचे और विवाद करने लगे। बात बढ़ती देख सज्जन कुमार वहां से चला गया, लेकिन गरमागरमी में निहाल सिंह पर महेंद्र सिंह भालोठिया, दाताराम, पवन कुमार और घर की महिलाओं ने हमला बोल दिया।

करौली में थाना टोडाभीम पुलिस की साइबर सेल की मदद से कार्रवाई : अपहरण एवं फिरौती के दो आरोपी गिरफ्तार

करौली। करौली जिले की टोडाभीम थाना पुलिस ने साईबर सैल की मदद से राहुल मीना निवासी खेडी को अपहरणकर्ता के चंगुल से 24 घंटे के अंदर मुक्त करा आरोपी सुभाष बैरवा निवासी डौरका व हर्ष उर्फ हरिदास जाटव निवासी महेन्द्रवाडा थाना टोडाभीम को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों ने राहुल का अपहरण कर परिजनों से ?200000 की फिरौती मांगी थी। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार भी बरामद की है। एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया कि मंगलवार को खेड़ी निवासी हेमराज मीना ने पेश दी थी कि रात करीब 10 बजे उसका चचेरा भाई राहुल मीना पुत्र राधेश्याम निवासी खेडी मोटरसाईकिल से लाडपुर शादी में जा रहा था। रास्ते में राजौर से आगे लाडपुर के रास्ते में अचानक दो चौपहिया वाहन से 10-12 लोग नीचे उतरे। उन सभी के पास सरिया व देशी कट्टे थे। राहुल के साथ वालो को मारपीट कर वहीं पटक गये और राहुल को देशी कट्टे की नोंक पर अपहरण कर ले गये। मध्य रात बदमाशों ने दो अलग-अलग नंबर से वाट्सएप कॉल कर राहुल को छोडने की प्रार्थी हेमराज व रिश्तेदार से दो लाख रूपये की फिरौती मांगी। रूपये नही देने पर राहुल को जान से मारने की धमकी दी। रिपोर्ट पर थाना टोडाभीम पर मुकदमा दर्ज किया गया।

500-500 के नोटों की जाली दुनिया : जोधपुर में नकली करेंसी गैंग का भंडाफोड़

जोधपुर। जोधपुर की मंडोर मंडी में पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो 500-500 के नकली नोटों की गड्डियों से बाजार को ठगने का काम कर रहा था। इस ऑपरेशन में पुलिस के हाथ लगे हैं 7.50 लाख रुपए के जाली नोट और दो ऐसे शातिर दिमाग, जो दो लाख में 10 लाख की नकली करेंसी बाजार में उतारने की फिराक में थे।

इस गिरोह ने अपराध की नींव एक किराए के कमरे में रखी थी, जो मंडी की एक दुकान के ऊपर बना हुआ था। यहां रंगीन प्रिंटर, स्कैनर, पेपर कटिंग मशीन और कंप्यूटर सिस्टम के सहारे जालसाज नकली करेंसी छाप रहे थे। इतने पेशेवर तरीके से नकली नोट तैयार किए गए कि पहली नजर में असली और नकली में फर्क कर पाना मुश्किल था।

गैंग का मॉडल सिंपल था लेकिन खतरनाक–2 लाख रुपए दो और बदले में 10 लाख की नकली करेंसी जाओ। यानी 500-500 के नोटों से भरे बैग, जिनकी कीमत सिर्फ कागज़ थी, लेकिन ये बाजार में चलाकर असली नोटों की जगह ले रहे थे। अंदेशा है कि ये गैंग बड़े व्यापारियों और नकद लेन-देन करने वालों को निशाना बना रही थी।

पुलिस ने नागौर जिले के दो बदमाशों–श्रवण व्यास (28) और बाबूलाल प्रजापत (40)–को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दोनों मंडी के पास किराए पर कमरा लेकर यह धंधा चला रहे थे। पुलिस ने इनके कब्जे से नकली नोटों के साथ-साथ नकली नोट छापने की पूरी मशीनरी जब्त की है।

बालसमंद में भी दूसरा ठिकाना

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने खुलासा किया कि बालसमंद क्षेत्र की मगजी की घाटी में भी उनका एक ठिकाना है। पुलिस ने तुरंत वहां दबिश दी और वहां से भी सबूत जुटाए। फिलहाल पुलिस इस बात की तहकीकात कर रही है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं और अब तक कितने नकली नोट बाजार में चला दिए गए हैं।

डीसीपी आलोक श्रीवास्तव ने बताया कि लंबे समय से मंडोर मंडी और आसपास के गांवों में नकली नोट चलने की खबरें मिल रही थीं। डीएसटी (ईस्ट) प्रभारी श्यामसिंह के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई, जिसमें साइबर एक्सपर्ट्स को भी शामिल किया गया। तकनीकी निगरानी, मुखबिरों की सूचना और ग्राउंड इंटेलिजेंस के आधार पर कार्रवाई की गई।

शुरुआत है, अंत नहीं...

गिरोह का यह खुलासा सिर्फ शुरुआत है। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क की जड़ें और भी गहरी हैं। जांच की अगली कड़ी में यह भी पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि इस फर्जी करेंसी को किन-किन रास्तों से बाजार में पहुंचाया जा रहा था।

बाजार में चल रही जाली करेंसी न केवल अर्थव्यवस्था के लिए खतरा है, बल्कि समाज में नकदी पर आधारित लेनदेन की विश्वसनीयता को भी चोट पहुंचा रही है।

वन भूमि पर किए जा रहे अतिक्रमण को किया ध्वस्त, 400 वर्गगज से थी अधिक वनभूमि

जयपुर। कन्ट्रोल रूम पर मंगलवार को प्राप्त सूचना पर उपवन संरक्षक वन्यजीव चिड़ियाघर विजयपाल सिंह के निर्देशानुसार क्यूआरटी टीम मौके पर भिजवाई गई। मौक़ा स्थल पर अशरफ खान व उनके परिजनों ने टीम का विरोध किया। दो घण्टे की कड़ी मशक्कत व समझाइश के बाद अतिक्रमण को मौके से ध्वस्त किया गया। इस दौरान रिंकू मीणा नाका प्रभारी सूरजपोल, माधोलाल मीणा, फोरेस्टर नाहरगढ़ जैविक उद्यान, सरिता चौधरी, बसन्ती गुर्जर, हेतराम गुर्जर, विकास मीणा, वनरक्षक कैलाशचन्द व बजरंग गुर्जर आदि ने कार्यवाही को अंजाम दिया। डीएफओ विजयपाल सिंह ने बताया कि वन भूमि पर गैर वानिकी कृत्य किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

स्टाफ की कमी का खामियाजा भुगत रहे आम उपभोक्ता

सुकेत। सुकेत के जलदाय विभाग में काफी समय से स्टाफ की कमी खामियाजा आम उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। आम उपभोक्ता अपनी समस्याएं लेकर जलदाय विभाग के चक्कर काटने को मजबूर हैं। कई बार उनको काफी देर तक इंतजार करना पड़ता है। जानकारी के अनुसार नगर के जलदाय विभाग में काफी समय से सहायक अभियंता और कनिष्ठ सहायक के पद रिक्त चल रहे हैं। वहीं एक क्लर्क फील्ड में रहता है। जिसके कारण उपभोक्ताओं को अपने कामों और समस्याओं के लिए दफ्तर के चक्कर लगाने पड़ते हैं। कई बार उनको छोटे-छोटे कामों के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ता है। हाल ही में विभाग ने जल कनेक्शन के लिए शुल्क में बदलाव किया है। वहीं कब्जा धारियों को कनेक्शन लेने की अनुमति दी गई है। जिससे उपभोक्ता काफी भ्रमित हैं। इसकी जानकारी के लिए जब वे विभाग के कार्यालय में जाते हैं तो उनको जानकारी देने के लिए कार्यालय में कोई नहीं मिलता। मजबूर होकर उन्हें या तो इंतजार करना पड़ता है या फिर बाद में आना पड़ता है। कई उपभोक्ताओं ने पानी के बिलों में अनियमितताओं की शिकायत की है। लेकिन स्टाफ की कमी के कारण उनकी यह समस्या भी हल नहीं हो पा रही है। जिससे ऐसे उपभोक्ता विभागीय कार्यालय के चक्कर काटने को मजबूर हैं।

बदलावों के कारण भ्रमित हो रहे उपभोक्ता - जलदाय विभाग ने हाल ही में पेयजल कनेक्शन के लिए प्रक्रिया बदलाव किए हैं। जैसे कि अब कब्जेधारी भी कनेक्शन ले सकते हैं और शुल्क भी पहले से अलग है। इन बदलावों के कारण कई उपभोक्ताओं में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। जानकारी प्राप्त करने के लिए उपभोक्ताओं को कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

पेयजल बिलों में अनियमितता

नगर के कुछ उपभोक्ताओं ने अपने पेयजल बिलों में अनियमितता की शिकायत की है। जैसे कि बिल की राशि में अचानक वृद्धि होना। इससे उपभोक्ता परेशान हैं और वे विभाग के दफ्तरों में जानकारी के लिए जा रहे हैं। उपभोक्ताओं ने विभागीय अधिकारियों से इस समस्या को सुलझाने की मांग की है।

भीषण गर्मी में भी अधिकारी कार्यालय में नजर नहीं आते। आने वाले समय में नगर की पेयजल व्यवस्था गड़बड़ा सकती है। नगर वासियों को गंभीर पेयजल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

-इमरान, उपभोक्ता, सुकेत

मुझे अपने घर के नल कनेक्शन को स्थानान्तरण करवाना है। जिसके लिए मैं काफी समय से प्रयास कर रहा हूं। लेकिन जलदाय विभाग में काफी समय से कनिष्क अभियंता व कनिष्ठ सहायक दोनों के पद रिक्त हैं। जिससे मेरे कार्य में समय लग रहा है। मुझे बार-बार कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

-शाकिर, उपभोक्ता, सुकेत

जलदाय विभाग सुकेत में सहायक अभियंता का पद रिक्त है। पूर्व में इस पद के लिए वंदना शर्मा के आदेश हुए थे। लेकिन उन्होंने चार्ज नहीं संभाला। साथ ही जहां-जहां पाइप लाइन बिछी हुई है, वहां पर रेगुलर पानी की सप्लाई की जा रही है। जहां पाइप लाइन लाइन नहीं बिछी है वहां पर मई-जून तक नई पाइप लाइन बिछा दी जाएगी।

गौशाला व बंधा गांव में हजारों पशु, फिर भी नहीं है चिकित्सालय की सुविधा

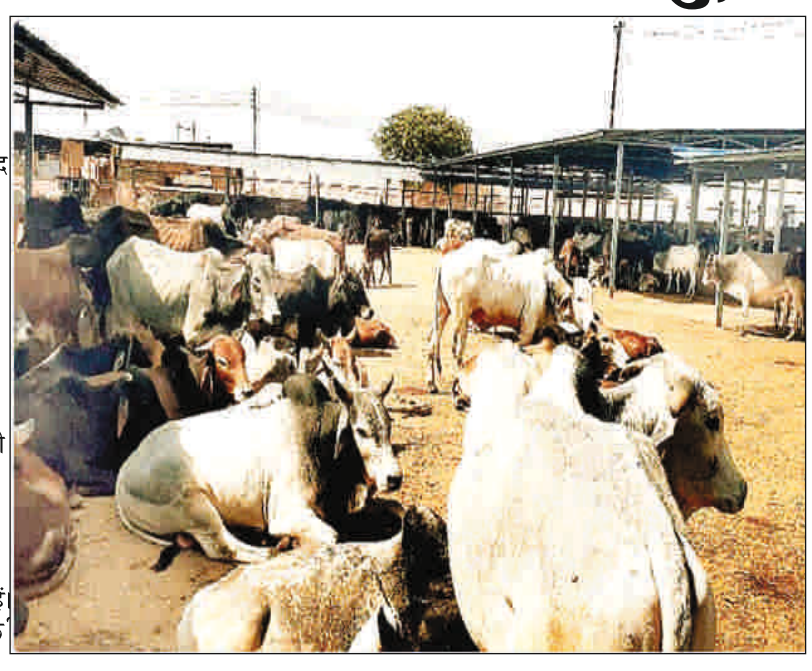

कोटा। शहर से कई किलोमीटर दूर बंधा गांव और वहां स्थित नगर निगम की गौशाला में जहां हजारों पशु हैं। वहां पशु चिकित्सालय की सुविधा तक नहीं है। निगम की गौशाला में इन दिनों बीमारियों का प्रकोप होने के बावजूद गौशाला कम्पाउंडरों के भरोसे है। बंधा धर्मपुरा में नगर निगम की गौशाला है। जहां शहर से लावारिस हालत में पकड़े गए गौवंश को रखा गया है। वर्तमान में यहां करीब 3 हजार से अधिक मवेशी हैं। जिनमें सांड से लेकर गाय व बछड़े तक शामिल है। हालत यह है कि लावारिस हालत में पकड़े गए इन गौवंश में से अधिकतर बीमार व कमजोर हालत में आते हैं। जिन्हें पशु चिकित्सक की देखभाल की आवश्यकता रहती है। गौशाला में बीमार व कमजोर गायों को अलग बाड़े में रखा हुआ है। हालांकि यहां पशु चिकित्सा केन्द्र तो बनाया हुआ है। लेकिन चिकित्सालय की सुविधा नहीं है। केन्द्र में मात्र कम्पाउंडर ही कार्यरत हैं। जिनके भरोसे पूरी गौशाला में गौवंश की देखभाल व उपचार किया जा रहा है। बंधा में ही गायत्री परिवार की गौशाला भी है। साथ ही गांव में अन्य पशु पालकों के भी पशु है। ऐसे में उन सभी को पशुओं के बीमार होने पर उपचार के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

चक्कर खाकर गिरने का बढ़ रहा रोग

नगर निगम की गौशाला में पहले जहां लम्पी रोग से ग्रसित मवेशी सबसे पहले पाए गए थे। वहीं अब इनमें एक नई बीमारी चक्कर खाकर गिरने वाली प्रोयेजोमा बढ़ रही है। जिससे गौवंश की मृत्युदर में बढ़ोतरी हुई है। हालत यह है कि इस रोग के होने के बाद भी वहां न तो पशु चिकित्सक की सुविधा है और न ही चिकित्सालय की। जिससे रोजाना मरने वाले गौवंश की संख्या सामान्य से अधिक हो गई है।

सेवानिवृत्त उप निदेशक कार्यरत

नगर निगम की ओर से पशु चिकित्सालय से सेवानिवृत्त उप निदेशक डॉ. नंद किशोर वर्मा को नियुक्त किया हुआ है। लेकिन वे अधिकतर समय किशोरपुरा स्थित कायन हाउस में ही सेवाएं देते हैं। जबकि गौशाला में कम्पाउंडर ही कार्यरत हैं। हालांकि बोराबास पशु चिकित्सा केन्द्र से सरकारी डॉक्टर गौशाला में आते हैं लेकिन वह कभी-कभी ही आते हैं।

पशु चिकित्सालय व चिकित्सक हो

निगम की गौशाला में क्षमता से अधिक गौवंश है। इसके अलावा वहां निजी गौशाला व गांव में अन्य पशु भी हैं। ऐसे में वहां पशु चिकित्सालय और पशु चिकित्सक का होना आवश्यक है। जिससे इतने अधिक गौवंश के बीमार होने पर उन्हें समय पर तुरंत उपचार मिल सके। हालांकि गौशाला में कम्पाउंडर हैं लेकिन वे अपना काम तो कर रहे हैं जबकि डॉक्टर का काम तो डॉक्टर ही कर सकता है।

-डॉ. नंद किशोर वर्मा, रिटायर्ड उप निदेशक, पशु चिकित्सालय

आयुक्त समेत अधिकारियों को कई बार कराया अवगत

निगम की गौशाला में वर्तमान में करीब 3 हजार से अधिक गौवंश है। यह क्षमता से काफी अधिक है। ऐसे में यहां शहर से लावारिस हालत में लाए जा रहे गौवंश को घूमने की पर्याप्त जगह तक नहीं मिल पा रही है। ऐसे में वर्तमान में गौशाला में प्रोयेजोमा बीमारी का प्रकोप बढ़ा है। जिसमें पशु चक्कर खाकर गिरते हैं और वापस उठ नहीं पाते। जिससे उनकी मृत्युदर अधिक हुई है। इस बीमारी से रोजाना 5 से 6 गौवंश की मौत हो रही है। इस बीमारी के उपचार और गौशाला में पशु चिकित्सक की सुविधा करवाने के सबंध में निगम आयुक्त व अधिकारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है। लिखित में देने के बाद भी कोई व्यवस्था नहीं की गई। गौशाला में कम्पाउंडरों से काम चलाया जा रहा है। बोराबांस से पशु चिकित्सक कभी-कभी आकर गौशाला का निरीक्षण करते हैं। जबकि यहां नियमित पशु चिकित्सक होना चाहिए।

-जितेंद्र सिंह, अध्यक्ष गौशाला समिति, नगर निगम कोटा दक्षिण

डॉक्टर की साप्ताहिक विजिट

गौशाला में स्थायी रूप से तो कम्पाउंडर लगाए हुए हैं। वे पूरे समय वहां सेवाएं दे रहे हैं। उनके अलावा किशोरपुरा कायन हाउस में सेवानिवृत्त डॉक्टर को भी लगाया हुआ है।साथ ही बोराबांस से सरकारी डॉक्टर सप्ताह में निगम की गौशाला का विजिट करते हैं। वर्तमान में जो बीमारी गौशाला में हुई है उसकी दवाईयां व उपचार की व्यवस्था की जा रही है।

-महेश गोयल, उपायुक्त व प्रभारी गौशाला नगर निगम कोटा दक्षिण

60 डॉलर से नीचे आया क्रूड ऑयल, गिरावट के पीछे तीन बड़े कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रूड ऑयल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। अप्रैल में कच्चा तेल 16 प्रतिशत टूटकर करीब 60 डॉलर प्रति बैरल से नीचे पहुंच गया, जो बीते चार वर्षों का सबसे निचला स्तर है। यह गिरावट 2021 के बाद सबसे बड़ी मासिक गिरावट मानी जा रही है। दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादक समूह ओपीईसी प्लस ने संकेत दिए हैं कि वे अब उत्पादन कटौती के बजाय बाजार हिस्सेदारी

बढ़ाने के लिए आपूर्ति बढ़ा सकते हैं। सऊदी अरब जैसे बड़े निर्यातक देशों ने भी अब बाजार सपोर्ट करने के लिए कटौती जारी रखने का समर्थन नहीं किया है। अमेरिका की तेल पहली तिमाही में उम्मीद से अधिक सिकुड़ गई है और उपभोक्ता विश्वास भी 5 साल के निचले स्तर पर है। इससे वैश्विक मांग घटने की आशंका बनी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, मई से कम से कम आठ ओपीईसी प्लस देश उत्पादन बढ़ा सकते हैं। समूह की अगली बैठक 5 मई को है, जिसमें और भी देश इस रुख में शामिल हो सकते हैं।

एचडीएफसी बैंक की अर्थशास्त्री साक्षी गुप्ता के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में हर 10 की गिरावट से भारत का चालू खाता घाटा 30 बेसिस पॉइंट तक घट सकता है।

गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि यदि वैश्विक मांग में और कमजोरी आई, तो ब्रेंट क्रूड 40 डॉलर प्रति बैरल से नीचे भी जा सकता है। फिलहाल बाजार अनुमान लगा रहा है कि तेल की कीमतें अगले कुछ महीनों में 75 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बनी रह सकती हैं।

छोटे कारोबार बना रहे बड़ी पहचान, देश की 63 प्रतिशत नौकरियां सर्विस सेक्टर से

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र (सर्विस सेक्टर) की भूमिका बेहद अहम है। हाल ही में जारी वार्षिक सर्वेक्षण के मुताबिक, जिन बिजनेस वेंचर्स का उत्पादन 500 करोड़ रुपए से कम है, वे सेवा क्षेत्र में कुल 63.03 प्रतिशत रोजगार दे रहे हैं। यह जानकारी सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी की गई है। सर्वे में यह भी सामने आया है कि जिन कंपनियों का उत्पादन 500 करोड़ या उससे

अधिक है, वे संपत्ति स्वामित्व (62.77 प्रतिशत), नेट स्टेबल कैपिटल (62.73 प्रतिशत), सकल मूल्य वर्धन (69.47 प्रतिशत) और कुल वेतन (63.17 प्रतिशत) के बड़े हिस्से पर काबिज हैं। इसके विपरीत, छोटे उद्यम कुल वेतन में 36.84 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं लेकिन रोजगार देने में आगे हैं।

यह सर्वे जीएसटीएन के डेटा के आधार पर दो चरणों में किया गया था। इसका उद्देश्य था – सेवा क्षेत्र में पंजीकृत कंपनियों की जानकारी इकट्ठा करना और जीएसटीएन डेटा की उपयोगिता को जांचना। इसमें उन्हीं उद्यमों को शामिल किया गया जो कंपनी अधिनियम, 1956/2013 या एलएलपी अधिनियम, 2008 के तहत पंजीकृत हैं।

सर्विस सेक्टर में वे सेवाएं शामिल हैं जहां प्रत्यक्ष रूप से कोई वस्तु नहीं बनती लेकिन लोगों की ज़रूरतें पूरी की जाती हैं – जैसे बैंकिंग, ट्रांसपोर्ट, टेलीकॉम, हेल्थकेयर और आईटी सेवाएं।

एटीएफ की कीमत में की गई 4 प्रतिशत की कटौती

होटलों में इस्तेमाल होने वाला सिलेंडर भी सस्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। ईंधन की सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। खुदरा विक्रेता कंपनियों ने गुरुवार को विमान ईंधन या एटीएफ की कीमत में 4.4 प्रतिशत कटौती का एलान किया। यह एक महीने के भीतर दूसरी बड़ी कटौती है। इसके अलावे, होटलों और रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार 14.50 रुपये प्रति सिलेंडर कम कर दी गई। आइए इस बारे में विस्तार से जानते हैं।

ईंधन की खुदरा विक्रेता कंपनियों ने गुरुवार को विमान ईंधन या एटीएफ की कीमत में 4.4 प्रतिशत कटौती का एलान किया। यह एक महीने के भीतर दूसरी बड़ी कटौती है। इसके अलावे, होटलों और रेस्तरां में इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार 14.50 रुपये प्रति सिलेंडर कम कर दी गई।

सरकारी ईंधन खुदरा विक्रेताओं के अनुसार, दिल्ली में एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत 3,954.38 रुपये प्रति किलोलीटर या 4.4 प्रतिशत घटकर 85,486.80 रुपये किलोलीटर हो गई है। राजधानी देश के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक है। इन दो कटौतियों ने इस वर्ष के शुरू में हुई मूल्य वृद्धि की प्रभावी रूप से भरपाई कर दी है। मुंबई में एटीएफ की कीमत 83,575.42 रुपये प्रति किलोलीटर से घटाकर 79,855.88 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई, जबकि चेन्नई और कोलकाता में इसकी कीमत क्रमशः 88,494.52 रुपये और 88,237.05 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई।

तेल कंपनियों ने वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत में भी 14.50 रुपये प्रति 19 किलोग्राम सिलेंडर की कटौती की है। इन दो कटौतियों ने इस वर्ष के शुरू में हुई मूल्य वृद्धि की प्रभावी रूप से भरपाई कर दी है। मुंबई में एटीएफ की कीमत 83,575.42 रुपये प्रति किलोलीटर से घटाकर 79,855.88 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई, जबकि चेन्नई और कोलकाता में इसकी कीमत क्रमशः 88,494.52 रुपये और 88,237.05 रुपये प्रति किलोलीटर कर दी गई।

अब राष्ट्रीय राजधानी में वाणिज्यिक एलपीजी की कीमत 1,747.50 रुपये और मुंबई में 1,699 रुपये होगी। यह कटौती 1 अप्रैल को प्रति सिलेंडर 41 रुपये की कटौती के बाद की गई है।

स्किॅर्ड स्तर पर सोने-चांदी की कीमतें, महंगे दाम भी नहीं रोक पाए लोगों का उत्साह

नई दिल्ली, एजेंसी। अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर भारत में सोने और चांदी की जबरदस्त खरीदारी देखने को मिली। भले ही दोनों धातुओं की कीमतें ऊंचाई पर थीं लेकिन खरीदारों का उत्साह कम नहीं हुआ। आभूषण कारोबारियों के अनुसार, इस बार पिछले साल की तुलना में बिक्री में करीब 35त्न की बढ़ोतरी हो सकती है।

दक्षिण भारत में दिन की शुरुआत से ही ग्राहकों की भीड़ देखी गई, जबकि महाराष्ट्र और उत्तर भारत में शाम को खरीदार उमड़े।

दिल्ली में बुधवार को सोना 98,550 रुपए प्रति 10 ग्राम (टैक्स सहित) पर रहा, जबकि पिछले साल इस त्योहार के दौरान ये 72,300 रुपए पर था। जीजेसी के चेयरमैन राजेश रोकड़े ने बताया कि जो उपभोक्ता ऊंचे दामों पर सोना खरीदने से हिचकिचा रहे थे, वे अब खरीदारी कर रहे हैं क्योंकि कीमतें उच्च स्तर पर जाने के बाद लगभग स्थिर हो गई हैं। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि सोने की बिक्री पिछले साल के 20 टन के स्तर पर स्थिर रहेगी। हालांकि, मूल्य के संदर्भ में, सोने की बिक्री में 35 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है।''

रोकड़े ने बताया कि अक्षय तृतीया के मौके पर सोने के मंगलसूत्र और चेन की मांग में अच्छी बढ़त देखने को मिली, वहीं चांदी के बर्तनों की बिक्री में भी तेजी आई। उन्होंने कहा कि इस बार खास बात यह रही कि 25 से 40 साल की उम्र के लोग भी बड़ी संख्या में सोना-चांदी खरीदने आगे आए हैं, जो एक नई और उत्साहजनक प्रवृत्ति है।

परंपरागत रूप से दक्षिण भारत में अक्षय तृतीया पर सोना खरीदने की प्रथा रही है, लेकिन अब यह पूरे देश में लोकप्रिय हो रही है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (भारत) के सीईओ सचिन जैन ने कहा कि भले ही सोने की कीमतें बढ़ी हैं लेकिन त्योहार के चलते लोगों की खरीदारी की रुचि अब भी मजबूत बनी हुई है।

सुरक्षा से कोई समझौता नहीं

हवाई क्षेत्र पर रोक से एयरलाइनों का खर्च हर हफ्ते 77 करोड़ बढ़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के बीच भारत ने बुधवार को पाकिस्तानी एयरलाइनों को अपने हवाई क्षेत्र का उपयोग करने से प्रतिबंधित कर दिया। इससे पहले पाकिस्तान भी यह कदम उठा चुका है।

भारतीय एयरलाइनों को उत्तर भारतीय शहरों से संचालित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 77 करोड़ रुपये का अतिरिक्त साप्ताहिक खर्च उठाना पड़ सकता है, क्योंकि पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध के कारण ईंधन की खपत बढ़ जाएगी और उड़ान की अवधि भी लंबी हो जाएगी। विदेशी उड़ानों की संख्या और बढ़ी हुई उड़ान अवधि तथा अनुमानित व्यय के आधार पर की गई गणना के विश्लेषण से पता चला है कि अतिरिक्त मासिक परिचालन लागत 306 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है। पहलगाम आतंकी हमले के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान ने भारतीय एयरलाइनों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को प्रतिबंधित कर दिया था।

कुल मासिक उड़ानों में से करीब 1,900 उड़ानें संकीर्ण-शरीर वाले विमानों और कुछ चौड़े-शरीर वाले विमानों द्वारा मध्य पूर्व के लिए संचालित की जाती हैं। अतिरिक्त 45 मिनट के लिए प्रति उड़ान 5 लाख की अतिरिक्त लागत को ध्यान में रखते हुए कुल व्यय लगभग 90 करोड़ रुपये होगा। वैकल्पिक उड़ान मार्ग के कारण दिल्ली और उत्तर भारतीय शहरों से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए उड़ान का समय 1.5 घंटे तक बढ़ गया है। एयरलाइन उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उत्तरी अमेरिका के लिए 16 घंटे की उड़ान के लिए अतिरिक्त समय करीब 1.5 घंटे होगा।

अतिरिक्त 1.5 घंटों के लिए लागत करीब 29 लाख रुपये आएगी। इसमें रास्ते में हवाईअड्डे पर तकनीकी ठहराव के कारण लैंडिंग और पार्किंग शुल्क भी शामिल है। उन्होंने बताया कि यूरोप के लिए 9 घंटे की उड़ान के लिए अतिरिक्त उड़ान समय लगभग 1.5 घंटे होगा और अतिरिक्त लागत लगभग 22.5 लाख रुपये होगी। मध्य पूर्व की उड़ानों के मामले में अतिरिक्त समय करीब 45 मिनट होगा और इसकी लागत करीब 5 लाख रुपये होगी।

अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए 6,000 से अधिक उड़ानें-विमानन विश्लेषण फर्म सिरियम के अनुसार, भारतीय एयरलाइन्स अप्रैल में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए 6,000 से अधिक उड़ानें संचालित करने वाली हैं। सिरियम के आंकड़ों के अनुसार, भारतीय एयरलाइन्स द्वारा उत्तर भारतीय शहरों से उत्तरी अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप और मध्य पूर्व सहित विदेशी गंतव्यों के लिए 800 से अधिक साप्ताहिक उड़ानें संचालित की जाती हैं।

टेस्ला को एलन मस्क कहेंगे टाटा, कंपनी ढूंढ रही नया सीईओ, रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी। अपनी ही कंपनी में मुख्य कार्यकारी की भूमिका में मस्क की जगह लेने की यह उत्सुकता उनके व्हाइट हाउस में कार्यकाल और टेस्ला के शेयरों में गिरावट के बीच देखी गई है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब बिक्री और मुनाफे में गिरावट के कारण कंपनी के भीतर तनाव बढ़ रहा है और मस्क का ज्यादातर समय वाशिंगटन में बीत रहा है।

ऑटोमोटिव कंपनी टेस्ला से एलन मस्क की छुट्टी होने वाली है। दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति की कुर्सी ही इस समय खतरे में पड़ गई है। टेस्ला नए सीईओ की खोज कर रही है जिसे देखते हुए ये चर्चा तेज है कि एलन मस्क के लिए समय खतरा भरा हो सकता है।

वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में चर्चा से परिचित लोगों के हवाले से कहा गया है कि टेस्ला बोर्ड ने कंपनी के लिए उपयुक्त उत्तराधिकारी की तलाश के लिए कई कार्यकारी खोज फर्मों से संपर्क किया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अपनी ही कंपनी में मुख्य कार्यकारी की भूमिका में मस्क की जगह लेने की यह उत्सुकता उनके व्हाइट हाउस में कार्यकाल और टेस्ला के शेयरों में गिरावट के बीच देखी गई है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब बिक्री और मुनाफे में गिरावट के कारण कंपनी के भीतर तनाव बढ़ रहा है और मस्क का ज्यादातर समय वाशिंगटन में बीत रहा है।

डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान उनके पक्ष में आक्रामक तरीके से प्रचार करने वाले एलन मस्क को व्हाइट हाउस में एक विशेष भूमिका दी गई है। उन्हें सरकारी दक्षता विभाग चलाने का काम सौंपा गया है, जिसका उद्देश्य संघीय खर्च में कटौती करना और यह सुनिश्चित करना है कि अमेरिका में सभी संघीय विभाग कुशलतापूर्वक काम कर रहे हैं।

टेस्ला बोर्ड ने इस बड़े पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवार की तलाश के लिए कई फर्मों से संपर्क किया है, लेकिन एक बड़ी खोज फर्म पर ही ध्यान केंद्रित किया गया है, ऐसा चर्चाओं से परिचित लोगों के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है। मस्क के उत्तराधिकारी की तलाश की प्रक्रिया कहां तक पहुंची है, यह अभी पता नहीं चल पाया है। यह भी तय नहीं है कि मस्क, जो खुद बोर्ड का हिस्सा हैं, इस बड़े कदम के बारे में जानते हैं या नहीं।

टेस्ला के शेयरों में गिरावट आ रही थी और मस्क का ध्यान और समय कंपनी और वाशिंगटन के बीच असमान रूप से बंटा हुआ था, इसलिए बोर्ड ने कथित तौर पर एक बैठक के दौरान उनसे अपना ध्यान पुनः टेस्ला पर केंद्रित करने के लिए कहा था। इस वर्ष टेस्ला के प्रथम तिमाही लाभ में 71 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। इसके बाद, मस्क ने कथित तौर पर निवेशकों को आश्वस्त किया कि वह कंपनी के साथ काम करने में अधिक समय बिताएंगे।

आईपीओ लाने के पहले अनिवार्य हो मौजूदा शेयरधारकों के लिए डीमैट खाता; सेबी का प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार नियामक सेबी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) दस्तावेज दाखिल करने से पहले कंपनी के निदेशकों, प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों और मौजूदा कर्मचारियों सहित चुनिंदा शेयरधारकों के लिए डीमैट रूप में शेयर रखने को अनिवार्य करने का बुधवार को प्रस्ताव रखा।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के इस प्रस्ताव को अगर लागू किया जाता है, तो भौतिक शेयर प्रमाणपत्रों से जुड़ी अक्षमताओं और जोखिमों को खत्म करने में मदद मिलेगी।

भौतिक शेयरों के साथ चोरी, जालसाजी और हस्तांतरण व निपटान में देरी जैसे जोखिम जुड़े होते हैं। नियामक ने इस प्रस्ताव पर 20 मई तक टिप्पणी मांगी हैं। एयरटेल सिम की होम डिलीवरी पर रोक लग गई है। दूरसंचार विभाग ने कहा है कि तय मानदंडों के बिना इस प्रक्रिया को शुरू नहीं किया जा सकता है। कुछ दिन पहले ही एयरटेल ने ब्लिंकिट के साथ इस सेवा को शुरू करने की घोषणा की थी। दूरसंचार विभाग ने हाल ही में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं से कहा कि मौजूदा निर्देशों के अनुसार केवाईसी प्रक्रिया का पूरी ईमानदारी से पालन किया जाएगा।

कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई दर मार्च में घटकर 3.73 प्रतिशत पर आ गई

नई दिल्ली, एजेंसी। कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई दर मार्च 2025 में घटकर 3.73 प्रतिशत हो गई। फरवरी में यह 4.05 प्रतिशत थी। आइए इस बारे में विस्तार से जानें। कृषि श्रमिकों के लिए खुदरा महंगाई दर मार्च 2025 में घटकर 3.73 प्रतिशत हो गई। फरवरी में यह 4.05 प्रतिशत थी। बुधवार को जारी नवीनतम आंकड़ों में इसकी पुष्टि की गई। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, ग्रामीण श्रमिकों के लिए खुदरा मुद्रास्फीति मार्च 2025 में घटकर 3.86 प्रतिशत हो गई। फरवरी में यह आंकड़ा 4.10 प्रतिशत था। श्रम मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि कृषि मजदूरों (सीपीआई-एएल) और ग्रामीण मजदूरों (सीपीआई-आरएल) के लिए अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मार्च 2025 के महीने के लिए 3 अंक और 2 अंक घटकर क्रमशः 1,306 और 1,319 अंक पर पहुंच गया। फरवरी 2025 में सीपीआई-एएल और सीपीआई-आरएल क्रमशः 1,309 अंक और 1,321 अंक पर थे। आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2025 के लिए सीपीआई-एएल और सीपीआई-आरएल पर आधारित सालाना मुद्रास्फीति दर क्रमशः 3.73 प्रतिशत और 3.86 प्रतिशत दर्ज की गई। मार्च 2024 में यह 7.15 प्रतिशत और 7.08 प्रतिशत थी। फरवरी 2025 के लिए इसी आंकड़े सीपीआई-एएल के लिए 4.05 प्रतिशत और सीपीआई-आरएल के लिए 4.10 प्रतिशत थे।

टैरिफ, तेल की कीमतें और अन्य अनिश्चितताओं से मध्यपूर्व की अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित, आईएमएफ का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईएमएफ में मध्य पूर्व और मध्य एशिया के निदेशक जिहाद अजौर ने कहा कि अमेरिका और अन्य देशों की टैरिफ योजनाओं और भू-राजनीतिक तनावों ने वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता बढ़ा दी है। इससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उनकी वृद्धि में 2 प्रतिशत से 4.5 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। उन्होंने आगे क्या कहा, आइए जानते हैं।

मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका के देशों को आर्थिक विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसा टैरिफ प्रकरण, हाल के दिनों में तेल की कम कीमतों और वित्तीय सहायता में कटौती के कारण क्षेत्र में आर्थिक अनिश्चितता बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने बुधवार को यह टिप्पणी की।

एमईएनए क्षेत्र (मध्य पूर्व और उत्तरी अफ्रीका) के लिए आईएमएफ की क्षेत्रीय दृष्टिकोण रिपोर्ट के अनुसार ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 2022 के 120 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर के उच्च स्तर से नीचे हैं। 2025 और 2026 में यह भाव 65 से 69 डॉलर प्रति बैरल तक जाने की आशंका है। इससे ऊर्जा के निर्यात पर निर्भर अर्थव्यवस्थाएं बाजार में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील हो जाएंगी।

आईएमएफ में मध्य पूर्व और मध्य एशिया के निदेशक जिहाद अजौर ने कहा कि अमेरिका और अन्य देशों की टैरिफ योजनाओं और भू-राजनीतिक तनावों ने वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता बढ़ा दी है। इससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। उनकी वृद्धि में 2 प्रतिशत से 4.5 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है।

दुबई में एक साक्षात्कार में अजूर ने कहा, इन देशों को प्रतिक्रिया करने और अर्थव्यवस्थाओं की रक्षा के लिए नीतियां बनाने की जरूरत है। अजौर ने कहा कि क्षेत्र में आने वाली विदेशी सहायता में कमी भी चिंता का एक प्रमुख कारण है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने विश्व में दूसरे देशों को अमेरिका कार्यक्रम की आवश्यकता होगी।

अपने लिए नए जोखिम पैदा कर रही है।

अजौर ने इस वर्ष एमईएनए क्षेत्र में वृद्धि दर 2.6 प्रतिशत रहने की उम्मीद जताई है। पिछले वर्ष यह 1.8 प्रतिशत थी। अजौर ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता से परिदृश्य प्रभावित हो सकता है। फारस की खाड़ी की अर्थव्यवस्थाएं पर्याप्त प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को आकर्षित करना जारी रखे हुए हैं। यह महामारी के बाद से सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 2 प्रतिशत तक बढ़ गया है। आईएमएफ का कहना है कि वह संघर्षरत कुछ देशों और सीरिया की नई सरकार के साथ मिलकर काम करने को तैयार है। उन्होंने यह भी कहा कि आईएमएफ के कर्मचारी और लेबनानी अधिकारी लेबनान में चर्चा कर रहे हैं।

अजूर ने कहा, सीरिया में स्थिति सामान्य होना एक लंबी प्रक्रिया होगी। इसके लिए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने की आवश्यकता होगी। वहां संस्थानों के निर्माण, उनकी अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए एक व्यापक

भाई आजकल उम्र छोटी करके क्रिकेट भी खेलने लगे

● वैभव सूर्यवंशी पर बॉक्सर विजेंदर सिंह ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स के 14 वर्षीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 35 गेंदों में शतक जड़कर पूरे क्रिकेट जगत को चौंका दिया और इतिहास रच दिया। वैभव की इस पारी के बाद क्रिकेट के बड़े-बड़े दिग्गजों ने जहां उनकी तारीफ की तो वहीं कुछ लोग उनकी उम्र के लेकर भी संदेह में थे। अब भारत के लिए ओलंपिक में ब्रांज मेडल जीत चुके बॉक्सर विजेंदर सिंह ने भी इस युवा खिलाड़ी पर अप्रत्यक्ष रूप से टिप्पणी की। अपने एक्स अकाउंट पर एक पोस्ट में विजेंदर सिंह ने व्यंग करते हु पूछा कि क्या लोगों ने क्रिकेट खेलने के लिए अपनी उम्र कम करनी शुरू कर दी है। विजेंदर का यह पोस्ट वैभव द्वारा खेली गई ऐतिहासिक पारी के ठीक दो दिन बाद आया है और इसलिए ये माना जा सकता है कि वो राजस्थान रॉयल्स के इस नन्हें स्टार बल्लेबाज के बारे में बात कर करे हैं। विजेंद्र ने लिखा, भाई आज कल उम्र छोटी करके क्रिकेट में भी खेलने लगे। आपको बता दें कि खिलाड़ियों की उम्र को छोटी करके खेलने की घटना पहले कई बार सामने आ चुकी है। विजेंदर ने शायद उसे देखते हुए अब ऐसा कमेंट किया। आपको बता दें कि वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 37 गेंदों पर 7 चौकों और 11 गगनचुम्बी छक्कों की मदद से 101 रन बनाए। वह टी20 क्रिकेट और आईपीएल में शतक लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे। सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 गेंदों में शतक लगाया था और यह आईपीएल के इतिहास में किसी भारतीय द्वारा बनाया गया सबसे तेज शतक था। यह आईपीएल में क्रिस गेल के आईपीएल 2013 में पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ 30 गेंदों में शतक लगाने के बाद दूसरा सबसे तेज शतक भी था।

वैभव सूर्यवंशी अब आईपीएल 2025 के 50वें मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के मैच में एक्शन में नजर आएंगे। वैभव चोटिल संजू सैमसन की जगह टीम में आए हैं। वैभव ने अब तक यशस्वी के साथ मिलकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई है और टीम का भरोसा भी जीता है।

प्लेऑफसे बाहर होने के बाद धोनी ने बताई टीम की कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इस सीजन में अब तक तो कुछ भी अच्छा नहीं घटा है। ऋतुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद एमएस धोनी टीम के कप्तान बनाए गए, लेकिन उनके कप्तान बनने के बाद भी टीम के खराब प्रदर्शन पर कोई फर्क नहीं पड़ा और टीम को एक के बाद एक लगातार हार मिलती रही। सीएसके को अब इस सीजन के 10वें लीग मैच में भी पंजाब किंग्स के हाथों 4 विकेट से हार मिली। हालांकि इस मैच में चेन्नई सुपर किंग्स का स्कोर बुरा नहीं था और इस टीम ने 190 रन बनाए थे, लेकिन अपने घर में यानी चेपक में ये टीम इस स्कोर को डिफेंड करने में कामयाब नहीं हो पाई। पंजाब से मिली हार के बाद सीएसके अब प्लेऑफ की होड़ से आधिकारिक तौर पर बाहर हो चुकी है और इस टीम के पास मौका है कि अगले 4 मैचों में अच्छा प्रदर्शन करते हुए अंकतालिका में अपनी स्थिति को सुधारे। सीएसके को पंजाब ने जैसे ही हराया वो इस टीम का इस सीजन में घरेलू मैदानपर 5वीं हार थी। इसके बाद टीम के कप्तान एमएस धोनी ने पंजाब के खिलाफ मिली हार का कारण गिनाया।

धोनी ने टीम की बैटिंग और फील्डिंग पर उठाए सवाल

धोनी ने हार के बाद कहा कि मुझे लगता है कि बल्लेबाजी, हां पहली बार हमने बोर्ड पर पर्याप्त रन बनाए, लेकिन क्या यह पार स्कोर था। मुझे लगता है कि हमने कुछ कम स्कोर बनाए, लेकिन मुझे लगता है कि हम थोड़ा रन और बना सकते थे। मुझे लगता है कि हमें अपने कैच पकड़ने की जरूरत है। यानी धोनी ने टीम की बल्लेबाजी और फील्डिंग पर सवाल उठाए। उन्होंने आगे कहा कि हमने आखिरी की 4 गेंदें नहीं खेली और 19वें ओवर में 4 विकेट गंवा दिए। इस तरह से मैचों में 7 गेंदें बहुत अहम होती हैं।

ब्रेविस को बताया टीम का असेट

धोनी ने पिच के बारे में कहा कि ये हमारे घरेलू मैदान पर अब तक का सबसे अच्छा विकेट था और यही वजह है कि मुझे लगा कि हमने 15 रन कम बनाए। उन्होंने कहा कि सैम करन और डेवाल्ड ब्रेविस के बीच अच्छी साझेदारी हुई। ब्रेविस मध्यक्रम में रन को गति देने का काम करते हैं और वो शानदार फील्डर भी हैं। वो टीम के लिए एनर्जी लेकर आते हैं और वो जिस तरह से खेल रहे हैं वो आगे चलकर सीएसके के लिए एक असेट बन सकते हैं।

मुंबई इंडियंस को बड़ा झटका, आईपीएल 2025 से बाहर हुआ ये खिलाड़ी, धोनी भी हो गए थे कायल

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल2025 के बीच मुंबई इंडियंस को तगड़ा झटका लगा है. दरअसल, टीम के युवा लेफ्ट आर्म स्पिनर विग्नेश पुथुर पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं. इंजरी की वजह से वो इस सीजन बचे हुए मुकाबले नहीं खेल पाएंगे. उन्होंने मार्च में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल डेब्यू किया था. पुथुर ने अपने पहले मुकाबले में ही कहर बरपा दिया था. इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे पुथुर ने 3 बड़े शिकार किए थे. एमएस धोनी भी उनकी गेंदबाजी देखकर काफी प्रभावित हुए थे. मैच के बाद धोनी ने उनके पास जाकर उनकी तारीफ की थी. एमआई ने लेग स्पिनर रघु शर्मा को पुथुर के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम में शामिल किया है. विग्नेश पुथुर की इंजरी को लेकर एक बयान जारी किया है. इसके मुताबिक, पुथुर बोन स्ट्रेस रिएक्शन का शिकार हुए हैं. उनके दोनों पिंडलियों में ये समस्या है. इसलिए उन्हें पूरे सीजन के लिए बाहर किया गया है और अब एक भी मैच नहीं खेल पाएंगे. फ्रेंचाइजी ने इस मुश्किल समय में 22 साल के इस खिलाड़ी के लिए अपना सपोर्ट दिया है. वो टीम के साथ अभी भी जुड़े रहेंगे. अब विग्नेश मुंबई इंडियंस की मेडिकल और स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग टीम की देखरेख में अपनी रिकवरी और रिहैब पर ध्यान पर ध्यान देंगे.

रघु शर्मा टीम में शामिल

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 के बचे हुए मैचों के लिए चोटिल विग्नेश पुथुर की जगह लेग स्पिनर रघु शर्मा को साइन किया है. जालंधर के रहने वाले 32 साल के दाएं हाथ के लेग स्पिनर रघु पंजाब और पुडुचेरी के लिए खेल चुके हैं. फिलहाल घरेलू क्रिकेट में वो पुडुचेरी का प्रतिनिधित्व करते हैं. रघु शर्मा ने फर्स्ट क्लास में 11 मुकाबले खेले हैं, जिसमें 19.59 की औसत से 57 विकेट चटकाए हैं. उन्होंने लिस्ट ए के 9 मैचों में 14 विकेट और 9 टी20 मैचों में 3 विकेट हासिल किए हैं. रघु पहली बार आईपीएल में उतरने जा रहे हैं.

पाकिस्तान के अरशद नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट भारत में ब्लॉक, ओलंपिक चैंपियन क्यों आए लपेटे में

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट खोलने की कोशिश करने वालों का यह संदेश मिल रहा है, भारत में यह अकाउंट उपलब्ध नहीं है। इस आशय के कानूनी अनुरोध के बाद यह फैसला लिया गया। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त कदम उठाए हैं। भारत ने पाकिस्तान के कई एथलीट क्रिकेटर्स और टीवी कलाकारों यूट्यूब चैनल और इंस्टाग्राम अकाउंट को ब्लॉक कर दिया है। इसी कड़ी में ओलंपिक चैंपियन पाकिस्तान के भालाफेंक खिलाड़ी अरशद नदीम भी इसके लपेटे में आ गए हैं। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट को पहलगाम आतंक वादी हमले के बाद एक कानूनी अनुरोध के कारण भारत में ब्लॉक कर दिया गया है। भारत में नदीम का इंस्टाग्राम अकाउंट खोलने की कोशिश करने वालों का यह संदेश मिल रहा है, भारत में यह अकाउंट उपलब्ध नहीं है। इस आशय के कानूनी अनुरोध के बाद यह फैसला लिया गया। कानूनी अनुरोध पर क्लिक करने पर लिख कर आ रहा, हमें इस अकाउंट को प्रतिबंधित करने के लिए एक कानूनी अनुरोध प्राप्त हुआ। हमने अपनी नीतियों के विरुद्ध इसकी समीक्षा की और एक कानूनी और मानवाधिकार मूल्यांकन किया। समीक्षा के बाद हमने उस स्थान पर सामग्री तक पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया जहां यह स्थानीय कानून के विरुद्ध है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए जिनमें अधिकांश पर्यटक थे। इस आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने कई सख्त फैसले लिए, जिसमें से एक भड़काऊ और संवेदनशील सांप्रदायिक सामग्री फैलाने वाले कई पाकिस्तानियों के यूट्यूब चैनल और इंस्टाग्राम अकाउंट पर प्रतिबंध भी शामिल है।

पंजाब किंग्स को झटका, मैक्सवेल आईपीएल से हो सकते हैं बाहर

● इन प्लेयर्स में विकल्प तलाश रहे पोंटिंग

चेन्नई, एजेंसी। पंजाब किंग्स के ऑस्ट्रेलियाई हरफनमौला ग्लेन मैक्सवेल की ऊंगली में फ्रेक्चर हो गया है और वह आईपीएल के बाकी मैचों से बाहर हो सकते हैं। मैक्सवेल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ पिछले मैच में चोट लगी जिसमें वह सात रन बनाकर आउट हो गए थे। उनकी जगह चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ कल रात को सूर्यांश शेडगे ने खेला जिसमें पंजाब को चार विकेट से जीत मिली।

मैक्सवेल के साथी ऑस्ट्रेलियाई और पंजाब किंग्स के क्रिकेटर मार्कस स्टोइनिस ने कहा, 'बदकिस्मती से मैक्सवेल की ऊंगली में फ्रेक्चर हो गया है। उसे लगा नहीं था कि चोट इतनी गंभीर होगी लेकिन यह है। उसका स्कैन कराया गया और नतीजा अच्छा नहीं है। लगता है कि वह अब आगे इस टूर्नामेंट में नहीं खेल सकेगा।

पंजाब के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कहा, 'हम विकल्प पर फैसला लेंगे। उन्होंने कहा, 'अभी हमें कुछ मैच और खेलने हैं। अभी हम उपलब्ध खिलाड़ियों में से ही विकल्प तलाश रहे हैं। हमारे पास अजमतुल्लाह उमरजइ, आरोन हार्डी और जेवियर बार्टलेट है। हम हालात के अनुरूप टीम संयोजन बनाते हैं।

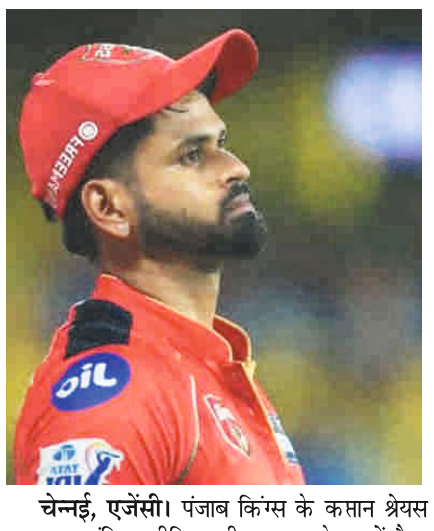

श्रेयस अय्यर को झटका, सीएसके के खिलाफ आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन का जुर्माना लगा सीएसके

चेन्नई, एजेंसी। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 49वें मैच के दौरान पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ एमए चिदंबरम स्टेडियम में बुधवार को खेले गए मैच के दौरान धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया। यह आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.2 के तहत पंजाब का सीजन का पहला अपराध था, जो न्यूनतम ओवर-रेट उल्लंघन से संबंधित है, इसलिए 30 वर्षीय खिलाड़ी पर 12 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया।

अय्यर ने घर से बाहर भी अपना प्रदर्शन जारी रखा। वहीं, प्रभसिमरन सिंह का अर्धशतक और युजवेंद्र चहल की हैट्रिक भी अन्य उल्लेखनीय प्रदर्शन रहे जिससे पंजाब ने चेपाक में चार विकेट से जीत के साथ छठ्ठे को प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। सुपर किंग्स पर अपनी टीम की जीत के बाद पंजाब स्थित फ्रैंचाइजी के कप्तान अय्यर ने रन-चेज के प्रति अपने प्यार के बारे में बात करते हुए कहा कि जब बोर्ड पर बड़ा स्कोर होता है तो वह बहुत खुश होते हैं। मैच के बाद अय्यर ने कहा, मुझे किसी भी क्षेत्र में पीछा करना पसंद है। मुझे लगता है कि जब भी बोर्ड पर बड़ा स्कोर होता है तो मैं बहुत खुश होता हूं और आपको टीम के लिए चार्ज और गति लेने की जरूरत होती है ताकि बाकी बल्लेबाज आकर पूरी ताकत से खेल सकें। अपने खराब होम रन के बारे में जिसमें वे अभी तक अर्धशतक नहीं बना पाए हैं, उन्होंने कहा, मैं इसे [अपने विदेशी फॉर्म] कोसना नहीं चाहता और बस वर्तमान में रहना चाहता हूं और गेंद पर प्रतिक्रिया करना चाहता हूं।

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कहां खेल रहा हूं। मैं बस अपने दृष्टिकोण के साथ खेलता हूं। कभी-कभी यह काम करता है, और कभी-कभी नहीं। हाल ही में मैं नेट्स में बहुत बल्लेबाजी कर रहा हूं और तेज गेंदबाजों का सामना कर रहा हूं, खासकर नई गेंद से और इससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिला है। यह एक ऐसा हिस्सा है जिस पर मैंने काम किया है। और जब भी मैं मैदान पर जाता हूं तो मेरा रवैया कुछ ऐसा होता है जिसे मैं ऊंचा रखता हूं। इसलिए मुझे लगता है कि ये सभी छोटे बॉक्स टिक किए गए हैं और यह देखने लायक है।

टॉप्स खिलाड़ियों को दी गई आठ करोड़ की अग्रिम राशि अभी तक अनिश्चित, बिल जमा नहीं करना बना कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में प्रदर्शन आडिट के दौरान इस पर आपत्ति जताई गई जिसके कारण करीब 30 खिलाड़ी (कोर और डेवलपमेंटल ग्रुप दोनों में) सवालों के घेरे में है। साइ और खेल मंत्रालय के विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि संबंधित टॉप्स खिलाड़ियों ने विलंब का उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जबकि उन्हें बारंबार याद दिलाया गया था।

खेल मंत्रालय की प्रमुख टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के तहत खिलाड़ियों को दी गई आठ करोड़ रुपये तक की अग्रिम राशि अभी तक अनिश्चित बनी हुई है क्योंकि लाभार्थी बार-बार याद दिलाने के बावजूद बिल या वसूली राशि आपत्ति जताई गई जिसके कारण जमा करने में विफल रहे हैं। करीब 30 खिलाड़ी (कोर और डेवलपमेंटल ग्रुप दोनों में) सवालों के घेरे में है। साइ और खेल मंत्रालय के विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि संबंधित टॉप्स खिलाड़ियों ने विलंब का उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जबकि उन्हें बारंबार याद दिलाया गया था। समझा जाता है कि इसके लिये उचित उपाय किये जायेंगे ताकि हाल ही में खत्म हुए ओलंपिक चक्र में खर्च किये गए पैसे के बारे में जानकारी मिल सके।

मंत्रालय की मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की 155वीं बैठक में इस मसले पर विस्तार से चर्चा की गई। एक सूत्र ने कहा, सभी सदस्यों का मानना था कि बिल जमा नहीं करने वाले खिलाड़ियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा, संबंधित टॉप्स खिलाड़ियों ने हालात से निपटने के लिये कई तरह के सुझाव दिये गए। इसमें नकद पुरस्कार में से कटौती या बार बार अनसुनी करने वाले खिलाड़ियों के ताजा प्रस्तावों में से कटौती शामिल है। इस पर हालांकि कोई फैसला नहीं लिया गया। अगली बैठक में फिर यह मसला उठेगा। खिलाड़ियों को प्रशिक्षण या प्रतिस्पर्धा के लिये अग्रिम भुगतान लेने पर 15 दिन के भीतर बिल जमा करने होते हैं। सूत्र ने कहा, हम समझते हैं कि वे व्यस्त है लेकिन कुछ बकाया बिल तो दो साल पुराने हैं। यह करदाताओं का पैसा है और दूसरे खिलाड़ियों के लिये अच्छा उदाहरण नहीं है। जवाबदेही लाना जरूरी है।

चैंपियंस लीग 2024-25 सेमीफाइनल फर्स्ट लेग इंटर मिलान से दो बार पिछड़ने के बाद बार्सिलोना ने 3-3 से की बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस लीग 2024-25 के सेमीफाइनल के पहले लेग में बार्सिलोना और इंटर मिलान के बीच मुकाबला 3-3 की बराबरी पर रहा। बार्सिलोना के मोंटजुइक ओलिंपिक स्टेडियम में खेले गए मैच में बार्सिलोना दो बार पिछड़ने के बाद वापसी की और अंत में मुकाबले को बराबरी करने में सफल रही।

30 सेकेंड के खेल में ही इंटर मिलान ने ली 1-0 की बढ़त मैच शुरू होने के 30 सेकेंड में ही इंटर मिलान ने गोल कर बार्सिलोना पर 1-0 की बढ़त बना ली। इंटर मिलान के मार्कस थुराम ने बैक हील गोल दागते हुए चैंपियंस लीग सेमीफाइनल इतिहास का सबसे तेज गोल किया। हालांकि, उसके बादबार्सिलोना की ओर से फेरान टोरेस ने पहले 15 मिनट में दो बार लगभग नेट पर गेंद को पहुंचाया, पर गोल में तब्दील नहीं कर पाए। वहीं इंटर मिलान की ओर से डेंजल डम्फ्रीज ने मैच के 20वें मिनट में कॉर्नर से मिले मौके को हवा में छलांग लगाकर गोल में तब्दील किया और मिलान को 2-0 की मजबूत बढ़त दिला दी।

16 साल के लैमिन यामल ने बार्सिलोना को मैच में वापसी कराई हालांकि, बार्सिलोना ने हार नहीं मानी। टीम के 16 वर्षीय स्टार लैमिन यामाल ने अपने 100वें क्लब मैच में अकेले गेंद को गोल में तब्दील कर बार्सिलोना की मैच में वापसी कराई। उन्होंने मैच के 24 वें मिनट

में मिलान के थुराम को पीछे छोड़ते हुए और मखितारियन को छकाते हुए गेंद को बाएं पोस्ट से गोल में डाल कर स्कोर 1-2 कर दिया। वे इस गोल के साथ ही चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में स्कोर करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए। पहले हाफ तक स्कोर 2-2 की बराबरी पर पहले हाफ के 38वें मिनट में पेड्री के पास पर रफिन्हा ने हेड से बॉल फॉरवर्ड की और फेरान टोरेस ने पास पर रिएक्ट करते हुए क्लोज रेंज से गोल किया। जिससे पहले हाफ तक स्कोर 2-2 हो गया।

दूसरे हाफ में डम्फ्रीज ने गोल कर मिलान को 3-2 से आगे किया हालांकि, दूसरे हाफ में डम्फ्रीज ने मैच के 64वें मिनट में एक बार फिर हेडर से गोल कर टीम को 3-2 से आगे कर दिया। गोलकीपर सोमर का आत्मघाती गोल, बार्सिलोना ने फिर की बराबरी इंटर की बढ़त ज्यादा देर नहीं टिक पाई। मैच के 68 वें मिनट में यामाल के कॉर्नर को रफिन्हा ने बॉक्स के किनारे से शॉट मारा, जो क्रॉसबार से लगकर मिलान के गोलकीपर सोमर के सिर पर टकराया और गोल में चला गया। जिसे बार्सिलोना स्कोर 3-3 की बराबरी करने में सफल हुई।

6 मई को दूसरे लेग में फिर भिड़ेंगी दोनों टीमें अब दोनों टीम में 6 मई को दूसरे लेग में आपस में भिड़ेंगी। इसमें जीतने वाली टीम 31 मई को म्यूनिख में होने वाले फाइनल में पेरिस सेंट-जर्मेन या आर्सेनल से भिड़ेगी।

राजभवन में मनाया महाराष्ट्र और गुजरात का स्थापना दिवस

हैदराबाद
(एजन्सी),

तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने हैदराबाद के राजभवन के दरबार हॉल में महाराष्ट्र और गुजरात स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर राज्यपाल ने दोनों राज्यों के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और भारत की आर्थिक प्रगति और सांस्कृतिक विरासत में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए महाराष्ट्र और गुजरात की प्रशंसा की।

उन्होंने राष्ट्रीय एकता और सद्भाव को बढ़ावा देने में "एक भारत-श्रेष्ठ भारत" पहल के महत्व पर प्रकाश डाला। राज्यपाल ने महाराष्ट्र को वित्तीय लचीलेपन और आध्यात्मिक समृद्धि का केंद्र बताया और गुजरात को मजबूत नेतृत्व, उद्यम और भक्ति के लिए जानी जाने वाली भूमि बताया। उन्होंने कहा कि हालांकि 1960 में दोनों राज्यों का निर्माण भाषाई आधार पर हुआ था, लेकिन उनके साझा योगदान ने राष्ट्रीय एकीकरण की भावना को मजबूत करना जारी रखा है। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन और गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत के वीडियो संदेश भी शामिल किए गए। दोनों राज्यों की परंपराओं को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह में रंग और जीवंतता भर दी।

अवसर पर राज्यपाल के प्रधान सचिव एम. दाना किशोर, राज्यपाल की उप सचिव श्रीमती जी. पल्लवी, महेश मुरलीधर भागवत; राजेंद्र निमजे, श्रीमती सुनीता भागवत; सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस के अतिरिक्त महानिदेशक पाटिल संग्रामसिंह गणपत राव; राजभवन के वरिष्ठ अधिकारी और महाराष्ट्र तथा गुजरात के विशिष्ट अतिथि शामिल थे।

भाजपा के संघठन मंत्री चंद्रशेखर तिवारी को जन्मदिन पर तेलंगाना राज्य के एंडोमेंट प्रकोष्ठ संयुक्त संयोजक सुदर्शन प्रसाद तिवारी ने दी बधाई

हैदराबाद
(एजेंसी),

भारतीय जनता पार्टी के संघठन मंत्री चंद्रशेखर तिवारी के जन्मदिन पर गुरुवार को तेलंगाना राज्य के एंडोमेंट प्रकोष्ठ संयुक्त संयोजक सुदर्शन प्रसाद तिवारी ने उनसे मुलाकात कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर सुदर्शन प्रसाद तिवारी ने याद दिलाया कि चंद्रशेखर तिवारी को पार्टी हाईकमान ने जिसी भी राज्य में जिम्मेदारी दी है, वहां भाजपा पार्टी ने सत्ता हासिल की है. उन्होंने कहा कि इससे पहले उन्होंने उत्तर प्रदेश और राजस्थान में जिम्मेदारी ली थी और सत्ता दिलाई थी. उन्होंने कहा कि अब उन्होंने तेलंगाना में जिम्मेदारी संभाली है.

उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में आने वाले दिनों में भाजपा निश्चित रूप से सत्ता में आएगी. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार का बोलबाला है.

उन्होंने कहा कि लोग कांग्रेस सरकार से मुक्ति की मांग कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि लोग खुलकर कह रहे हैं कि उन्हें राज्य में डबल इंजन की सरकार चाहिए।

अतापुर की दयुतिश्री स्कूल टॉपर

हैदराबाद
(एजन्सी),

अतापुर के टीवी 9 रिपोर्टर बालासुब्रमण्यम एवं सूजनीया की बेटी दयुतिश्री ने दसवी क्लास में 90.83% अंक प्राप्त अतापुर की चैतन्य स्कूल में सेकंड टॉपर रहकर अपनी स्कूल एवं अपने माता-पिता का नाम रोशन किया है।

आज तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा डॉक्टर अभिनन्दन समारोह

हैदराबाद
(एजन्सी),

तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा मारवाड़ी समाज से वर्ष 2024-25 में उत्तीर्ण डॉक्टरो का समारोह शनिवार 3 मई को रात्रि 7 बजे से राजस्थानी स्नातक असोसिएशन भवन (आरजीए हॉल) में किया जायेगा।

उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में मानद मंत्री अमित कुमार लड्ढा द्वारा दी।विज्ञप्ति अनुसार वर्ष 2024-25 में उत्तीर्ण डॉक्टर श्रुति बंग, डॉ. अदिति करवा, डॉ. आकांक्षा अठासनिया,

. आयुषी लोया, डॉ. दिपीका दरक, डॉ. हरिता बजाज, डॉ. जयकिशन सोनी, डॉ. कृषी जाजू, डॉ. कुणाल , डॉ. मधुसूदन लोया, डॉ. महिमा करवा, डॉ. मुस्कान अग्रवाल, डॉ. प्रगति मोदाणी, डॉ. पूर्वी बाहेती, डॉ.वांगी माहेश्वरी, डॉ. श्रुति लाहोटी, डॉ. श्रुति मनोज मून्दड़ा, डॉ. कवच गुप्ता का अभिनन्दन किया जायेगा।

प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष रामप्रकाश भण्डारी के अनुसार उपरोक्त डॉक्टरों के अतिरिक्त भी कोई मारवाड़ी समाज से इस वर्ष डॉक्टर बने हो तो वह भी हमें सम्पर्क कर अपना नाम लिखा सकते हैं जिससे उनका भी इस अवसर अभिनन्दन किया जा सके ।अभिनन्दन समारोह की तैयारियों के संदर्भ में तेलंगाना प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की एक विशेष बैठक आबिड्स में आयोजित की गई। बैठक में अध्यक्ष रामप्रकाश भण्डारी, मंत्री अमित कुमार लड्ढा,` , परामर्शदाता कुमार बंग, विनोद भाटी, रमेश कुमार बंग आनन्द साँखला, दीपक भाटी, महेन्दर खत्री, दीपक चोखानी, दिनेश कुमार बंग उपस्थित थे।

अध्यक्ष रामप्रकाश भण्डारी एवं मानद मंत्री अमित कुमार लड्ढा ने सम्मेलन द्वारा समय-समय पर स्वास्थ्य एवं प्रेरक व्याख्यानों के आयोजनों की कड़ी में आयोजित इस अभिनन्दन समारोह में उपस्थित नवउत्तीर्ण डॉक्टरों का उत्साहवर्धन करे।

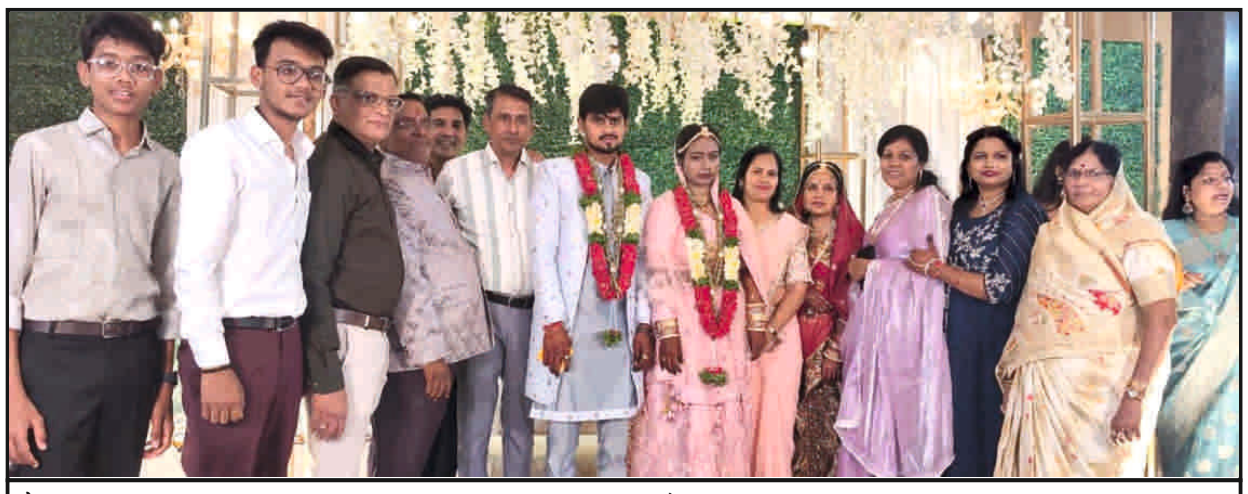

हैदराबाद (एजन्सी), महबूब गंज, अफ़ज़ल गंज पर स्थित अग्रवाल भवन में सौ.कां. मानसी (सुपुत्री : सदाशिव जी) एवं चि. नवीन (सुपुत्र : अशोक जी सोमानी) के विवाह समारोह में दोनों को बधाई दी। अवसर पर सरोज - अशोक सोमानी,भारती - राजेश करवा,आराधना - विनोद करवा,अर्चना - राजेश कुमार करवा,पदमा बजाज, माधुरी बंग,राधेश करवा,भावेश करवा एवं अन्य उपस्थीत थे।

हैदराबाद (एजन्सी), तेलंगाना भाजपा संगठन महा मंत्री चंद्रशेखर तिवारी को पार्टी मुख्यालय में जन्मदिन की बधाई देते हुए मनीष व्यास राजेश करवा सुनील कुमार पाण्डेय श्री राम व्यास प्रवीन जैन अविनाश देवड़ा नारायण शारडा मोहन सिंह विनोद सिंह विपिन रमावत हरीश शर्मा रोहित जौहरी शेखर आदि उपस्थीत थे।

हैदराबाद (एजन्सी), अतापुर (हुडा कालनी) पर स्थित मोदी भवन का भव्य उद्घाटन के शुभ अवसर पर श्री सुरेश कुमार जी मोदी एवं मोदी परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं देते मनोज कुमार अग्रवाल,हरि किशन अग्रवाल,दिनेश शर्मा (खंडेलवाल),राजेश करवा अतापुर (समाज सेवी), एवं अन्य उपस्थित थे।

सीरवी समाज ट्रस्ट सुकदंकट्टे भवन का हुआ भूमि पूजन

बेंगलूरू
(एजन्सी),

सीरवी समाज ट्रस्ट सुकदंकट्टे बेंगलोर पश्चिम की ओर से सुकदंकट्टे में समाज भवन निर्माण के लिए भूमि पूजन गुरूवार को किया गया । गुरूवार को सुबह 11. 35 बजे पंडित रविप्रकाश के मार्गदर्शन में भूमि पूजन के लाभार्थी संस्था के

उपाध्यक्ष रूगाराम सोयल परिवार द्वारा भूमि पूजन किया गया। सुबह कार्यक्रम स्थल पर आईमाताजी की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना व हवन अनुष्ठान आदि कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

समाज की ओर से भूमि पूजन के लाभार्थी रूगाराम चोयल व उनके परिवार का माला साफा द्वारा स्वागत किया गया। इस मौके पर महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

इस मौके पर समाज की सर्व सहमति से समाज भवन का निर्माण कार्य मुरगेश मिस्त्री (ठेकेदार) को दिया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष इन्दरलाल सोलंकी, सचिव अशोक परिहार, कोषाध्यक्ष देवाराम गहलोत, उपाध्यक्ष घीसुलाल चोयल, सह-सचिव भंवरलाल गहलोत, सह-कोषाध्यक्ष केनाराम काग, नारायणलाल चोयल, खेलमंत्री तरूण काग, सह- खेल मंत्री बुदाराम चोयल, सह-व्यवस्थापक मोहनलाल बर्फा सेवासंघ सचिव ओमप्रकाश सीरवी सहित कार्यकारिणी व समाज के अनेक लोग उपस्थित थे।

अग्रवाल समाज नाचाराम-मल्लापुर शाखा द्वारा शीतल जल प्याऊ का शुभारंभ

हैदराबाद
(एजन्सी),

अग्रवाल समाज नाचाराम-मल्लापुर शाखा द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी ग्रीष्मकाल में जनसेवा के उद्देश्य से शीतल जल प्याऊ का आयोजन किया गया है। इस पुण्य कार्य का शुभारंभ आज अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर प्रातः 11:01 बजे मल्लापुर मेन रोड, गोयल स्टील के पास विधिवत रूप से किया गया।

समाज के अध्यक्ष प्रदीप कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल, महासचिव प्रतीक कुमार नारसरिया, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण अग्रवाल की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर केएस सदस्य भुवनेश्वर अग्रवाल, अमावस्या संयोजक सुरेश जीतपुरिया, पुनीत तिवारी सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित थे। महिला विंग की सक्रिय भूमिका भी इस कार्यक्रम में देखने को मिली, जिसमें मंदाकिनी अग्रवाल, निशा गुप्ता, श्यामलता अग्रवाल तथा अन्य महिलाओं ने आयोजन में सराहनीय योगदान दिया।शाखा की ओर से बताया गया कि गर्मी के मौसम में राहगीरों व ज़रूरतमंदों के लिए यह प्याऊ नियमित रूप से संचालित की जाएगी। समाज के सदस्यों ने इस सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया।जय श्री अग्रसेन जी महाराज के जयघोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। अग्रवाल समाज जनकल्याण कार्यों में सदैव अग्रणी रहा है और आगे भी रहेगा।

डॉ.रेखा देवी को पीएचडी की उपाधि प्रदत्त

हैदराबाद
(एजन्सी),

डॉ.रेखा देवी को उनके शोध विषय अंतिम दो दशक के उपन्यासों में ग्रामीण जीवन के लिए पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है।आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, उस्मानिया विश्वविद्यालय से डॉ.अनिता एवं डॉ.संगीता व्यास के निर्देशन में श्रीमती रेखा देवी ने उस्मानिया विश्वविद्यालय के आर्ट्स कॉलेज से अंतिम दो दशक के उपन्यासों में ग्रामीण जीवन विषय पर गहन

शोध कर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। वर्तमान में वे सरकारी पाठशाला में हिन्दी की सह अध्यापिका (एस.ए हिन्दी) के रूप में सरकारी गर्ल्स हाई स्कूल पायोनिर बाजार में कार्यरत हैं।

बसवन्ना के तत्वादर्श सभी के लिए मार्गदर्शक - विधायक नारा भरत रेड्डी

बल्लारी
(एजन्सी),

विधायक नारा भारत रेड्डी ने कहा कि सांस्कृतिक नेता जगज्योति बसवन्ना के तत्वादर्श आज भी सभी के लिए मार्गदर्शक बन गए हैं। वह बुधवार को बल्लारी में जिला प्रशासन, जिला पंचायत, महानगर पालिका और कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित 892वीं बसव जयंती कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि बल्लारी शहर में अश्वारूढ़ बसवण्णा की प्रतिमा और एक सर्किल बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। कोट्टूरू के

बसवलिंगा स्वामीजी उपस्थित थे। बसवतत्व विचारक डॉ. रविशंकर ने विशेष व्याख्यान दिया। के. दोड्डबसव गवाई टीम ने वचन गायन किया। कार्यक्रम के दौरान विशेष उपलब्धियां हासिल करने वाले समुदाय के गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग के सहायक निदेशक बी. नागराज, राष्ट्रीय बसवदल के मानद अध्यक्ष सिरिगेरी पन्नाराज, महानगर निगम के सदस्य, समुदाय के अनेक नेता और अन्य उपस्थित थे।

Printed,Published,Edited & Owned by Sandesh B. Bharadwaj Printed at RK Art Printers, AP HB Shop , Vidhya Nagar, Hyderabad (T.S.) 504001.Published from HO No 2-2-1103/5/3A,Himyathnagar, Hyderabad (T.S.) RNI APHIN/2009/29553 500027. E-mail: dailyhindihyd@gmail.com, Website- hindidaily.net